



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेगलूर और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित



5 सपनों को पूरा करने के लिए युवाओं को विदेश जाने की जरूरत नहीं : राजनाथ सिंह

6 कैप्टन उपमन्यु सिंह: हर मोर्चे पर हमेशा रहे आगे, हर चुनौती को स्वीकार किया

7 महाकुंभ : शिव तांडव स्तोत्र पर लाइव प्रस्तुति देंगी अदा शर्मा

फ़र्स्ट टेक

रूस के पक्ष में लड़ रहे उत्तर कोरिया के दो सैनिक पकड़े गए : यूक्रेन कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की ने शनिवार को कहा कि उनके देश की सेना ने उत्तर कोरिया के दो सैनिकों को पकड़ा है जो रूस के कुरुक सीमावर्ती क्षेत्र में रूसी सैनिकों के साथ मिलकर लड़ रहे थे। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब कुछ दिनों पहले यूक्रेन ने अगस्त में कुरुक में कब्जाई गई जमीन को बरकरार रखने के लिए यहां नए हमले शुरू कर दिए थे। यूक्रेनी कार्रवाई के परिणामस्वरूप द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार रूसी क्षेत्र पर कब्जा हुआ था। हालांकि रूस के पलटवार से यूक्रेन की सेना की हालत खराब हुई। रूसी सेना ने यूक्रेन के कब्जे में गये 984 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के 40 प्रतिशत हिस्से को फिर अपने कब्जे में ले लिया है।

शमी की 14 महीने बाद भारतीय टीम में वापसी, टी20 के लिए चुने गए मुंबई/भाषा। करीब 14 महीने पहले अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वापसी हुई। शमी (34 वर्ष) ने भारत के लिए आखिरी मैच 19 नवंबर को अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में खेला था। इसके बाद वह टखने की चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रहे और इसके लिए उन्होंने पिछले साल सर्जरी करवाई थी। घुटने में सूजन के कारण शमी ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावरक ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं हो सके। कोलकाता में 22 जनवरी से शुरू होने वाली श्रृंखला में सूर्यकुमार यादव 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे।

वेनेजुएला: निकोलस माद्रुो ने विरोधों के बीच ली राष्ट्रपति के तौर पर शपथ कराकर/एपी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस माद्रुो ने शुक्रवार को नये कार्यकाल के लिए शपथ ली। माद्रुो ने विरोध प्रदर्शनों और अमेरिका और अन्य देशों की आलोचनाओं के बीच राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। माद्रुो के विरोधी उन पर पिछले साल हुए चुनावों में धांधली का आरोप लगाते हैं। माद्रुो ने वेनेजुएला के विधान भवन में शपथ ली और एक जोशीला भाषण भी दिया। शपथग्रहण समारोह के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। शपथग्रहण के मौके पर आसपास की गलियों और पास के एक प्लाजा में लोगों की भारी भीड़ जमा थी, जिनमें से कई ने माद्रुो के समर्थन में टी-शर्ट पहन रखी थी।

12-01-2025 13-01-2025
सूर्योदय 6:10 बजे सूर्यास्त 6:45 बजे

BSE 77,378.91 (-241.30)
NSE 23,440.00 (-86.50)

सोना 8,014 ः. (24 केसर) प्रति बाउ
चांदी 91,295 ः. प्रति किलो

निशान मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका
epaper.dakshinbharat.com



केलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सांच कहुं तो...

सारे वैभव रखते बाबा, फिर कहलाते हैं त्यागी। दल के हित चिंतक जब बोले, उनको कह देते सब बागी। मिल जाए जीत मुहाने पर, वो हो जाते हैं बड़भागी। मिडिया यदि कह दे चोर जिसे, वो सदा कहे जाते दागी।



सनातन धर्म के लिए नई प्रेरणा का केंद्रबिंदु बनने वाला है श्रीराम मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

सत्य को अधिक दिनों तक धुंधला करके कोई नहीं रख सकता है। सत्य एक दिन उजागर होगा। देश-दुनिया सत्य के रूप में अयोध्या में राम जन्मभूमि पर प्रभु रामलला के भव्य मंदिर देख रही है।

अयोध्या, (उम)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर सनातन धर्म के सभी स्थलों के लिए नई प्रेरणा का केंद्र बिंदु बनने वाला है। योगी आदित्यनाथ ने राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा की पहली सालगिरह पर आयोजित प्रतिष्ठा द्वावशी कार्यक्रम के उपरांत अंगद टीले में एक समारोह में रामलला के चित्र पर

पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन में अग्रणी रहे विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता अशोक सिंघल को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर योगी ने कहा, "सत्य को अधिक दिनों तक धुंधला करके कोई नहीं रख सकता है। सत्य एक दिन उजागर होगा। देश-दुनिया सत्य के रूप में अयोध्या में राम जन्मभूमि पर प्रभु रामलला के भव्य मंदिर देख

रही है।" उन्होंने कहा कि प्रभु राम के भव्य मंदिर का निर्माण दुनिया में दबी-कुचली सभ्यता व संस्कृति के लिए संदेश भी है कि लोकतांत्रिक, संविधान सम्मत तरीके से अधिकार लिए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, "अयोध्या में राम जन्मभूमि के लिए हुए अनर्गल बलिदान व अग्रपरीक्षा के दौर से बार-बार गुजरने के बाद भी धैर्य न खोना इस अभियान का हिस्सा रहा है।

महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों की सुनवाई के लिए

तमिलनाडु में सात विशेष अदालतें गठित होंगी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

प्रत्येक जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष समिति गठित की जाएगी, ताकि मामलों का शीघ्र निष्पादन हो।

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ए.के. स्टालिन ने शनिवार को महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों की सुनवाई के लिए सात विशेष अदालतें स्थापित करने और ऐसे मामलों को तेजी से निपटाने के लिए जिलों में एक पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष समिति बनाने की घोषणा की।



स्टालिन ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के जवाब में यह भी कहा कि यौन अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए कैदियों की समय से पहले रिहाई की अनुमति न देने के लिए 'तमिलनाडु कारागार नियमावली' में उचित संशोधन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों से जुड़े मामलों की विशेष सुनवाई के लिए मद्रुरे, तिरुनेलवेली, कोयंबटूर, सेलम, तिरुचिरापल्ली, चेन्नई और चेन्नई उपनगरों में विशेष अदालतें स्थापित की जाएगी।

भी आरोपी को कोई नहीं बचाता। अपराध करने वालों को उचित और कठोर सजा दिलाई जा रही है। तमिलनाडु विधानसभा ने दिसंबर 2024 में यहां एक शिक्षाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा से यौन उत्पीड़न के मामले की पूछभूमि में दुष्कर्म के मामलों में केंद्रीय कानून भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) में दिए गए प्रावधान से अधिक कठोर दंड का प्रावधान करने वाले संशोधन विधेयक को मंजूरी दी।

नये प्रावधानों के तहत तमिलनाडु में दुष्कर्म के लिए न्यूनतम सजा 14 वर्ष सश्रम कारावास (आरआई) है और इसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है तथा उसपर जुर्माना लगाया जा सकता है। बीएनएस में न्यूनतम सजा 10 वर्ष है और इसे आजीवन कारावास और जुर्माना तक बढ़ाया जा सकता है।

स्पैडेक्स उपग्रहों के बीच 230 मीटर की दूरी है, हालत सामान्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



बेंगलूर/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि वह जिन दो 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट' (स्पेडेक्स) उपग्रहों को कक्षा में एकीकृत करना चाहता है, उनके बीच वर्तमान में 230 मीटर की दूरी है तथा वे 'सामान्य' हालत में हैं। शुक्रवार शाम उपग्रहों के बीच की दूरी 1.5 किलोमीटर थी।

अंतरिक्ष एजेंसी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "सभी संसर्ग का मूल्यांकन किया जा रहा है। अंतरिक्ष यान की स्थिति सामान्य है।"

हालांकि, अंतरिक्ष एजेंसी ने 'डॉकिंग' प्रयोगों के संचालन की तारीख के बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं जताई है, जो उपग्रहों को

अंतरिक्ष में एकीकृत करेगा। स्पेडेक्स परियोजना पहले ही 7 और 9 जनवरी को 'डॉकिंग' प्रयोगों के लिए घोषित दो समय सीमा को चूक गई है। इसरो ने 30 दिसंबर को स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पेडेक्स) मिशन को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजा था। इसरो के अनुसार, स्पेडेक्स मिशन दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग कर अंतरिक्ष में डॉकिंग के लिए एक किरायाती प्रौद्योगिकी मिशन है जिसे पीएसएलवी के जरिये लॉन्च किया गया था।

मणिपुर के दो गांवों में कर्फ्यू लगाया गया

इंफाल/भाषा। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में अशांति के बाद अधिकारियों ने शनिवार को दो पड़ोसी गांवों में कर्फ्यू लगा दिया। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई।

जिले के अधिकारियों ने एक आदेश में कहा कि कांगपुंग गेलजांग उप-मंडल के अंतर्गत कोसाखुल और लीलोने वैकई गांवों में शांति भंग होने की आशंका है। इसमें कहा गया है कि अगले आदेश तक दोनों गांवों में और इसके आसपास लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सभी को आगे आना चाहिए : केंद्रीय मंत्री शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



कोलकाता/भाषा। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस धरती का स्वामी नहीं बल्कि इसका संरक्षक बनना चाहिए।

कोलकाता के साइंस सिटी में 'ऑन द एज' नामक जलवायु परिवर्तन गैलरी का उद्घाटन करने के बाद शेखावत ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गया है और केवल वैज्ञानिकों को नहीं बल्कि, प्रत्येक नागरिक को एक हितधारक के रूप में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब लोगों को यह मानना बंद कर देना चाहिए कि कार्बन

उत्सर्जन, समुद्र स्तर में वृद्धि, चरम मौसम की स्थिति जैसे मुद्दे उनके जीवनकाल में उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित नहीं करेंगे, बल्कि ये केवल वैज्ञानिकों और मीडिया में आई खबरों में उठाए गए अकादमिक मुद्दे हैं।

शेखावत ने कहा, "हमें जिम्मेदारी से काम करना होगा। जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व के लिए एक बड़ा मुद्दा है। 25 साल पहले जब ग्रीनहाउस प्रभाव और जलवायु परिवर्तन के बारे में चर्चा शुरू हुई थी, तो कई लोगों ने सोचा होगा कि इसका प्रभाव कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित रहेगा।"

उन्होंने कहा, "यह धारणा गलत साबित हुई। ठंडे क्षेत्रों में रहने वालों को अब यह नहीं सोचना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन केवल उष्णकटिबंधीय गर्म स्थानों को ही प्रभावित करेगा। गैर-तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि समुद्र के स्तर में वृद्धि

केवल समुद्र के पास रहने वालों को ही प्रभावित करेगी।" शेखावत ने कहा, "ऐसी धारणा सच नहीं है क्योंकि हाल के दिनों में हमने जो चरम मौसम के हालात देखे हैं, उससे यह साबित होता है कि जलवायु परिवर्तन पूरे समुदाय को प्रभावित कर रहा है।" उन्होंने कहा, "हम इस धरती के मालिक नहीं, संरक्षक हैं और हममें से हर किसी को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।"

NEW YEAR. NEW COLLECTIONS. SHOP NOW!

HI LIFE EXHIBITION
Fashion | Style | Decor | Luxury

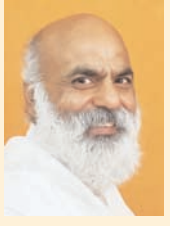
OVER 250+ OF THE FINEST DESIGNERS

LAST DAY TODAY

THE LaLiT
ASHOK BANGALORE

10 am - 8 pm | Valet Parking | Entry fee Rs.100

सहज स्मृति योग



व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं gururajji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाट्स अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी मानवता का भविष्य आपको कैसा लगता है?
उत्तर: सदा दिव्य लगता है। यथार्थ में भूत और भविष्य दोनों वर्तमान की ही छटाएँ या कलाएँ हैं, उनका कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। जो कोई जिसे चुनता है वह वही हो जाता है, चुनने का निर्णय ही भविष्य है और जो चुना वही होते जाना भूत है। तो यह स्पष्ट ही है कि होते तो ये दोनों ही क्रियाकलाप सदैव वर्तमान में ही हैं। वर्तमान के अतिरिक्त कोई यथार्थ विकल्प होता ही नहीं है और वर्तमान तो अपने स्वभाव से ही उज्वल/दिव्य है। वह दिव्य ही रहा है और दिव्य ही होता है। प्रश्न अर्थात् कि वह कि अपने सत्य का चुनाव करने का साहसिक निर्णय लेने में कौन मानव कितनी अवधि व्यर्थ खोता है और कौन तत्क्षण जाग्रत होता है। किसी समय/काल/अवधि/युग/क्षण में इन्हीं निर्णय करने वालों या चुनने वालों की संख्या से ही उस अर्थ में सामूहिक मानवी भविष्य भी निर्णीत होता है, जिस अर्थ में आप भविष्य शब्द का प्रयोग अपने प्रश्न में कर रहे हैं। वास्तव में वह वर्तमान ही होता है भूत और भविष्य का उस अर्थ में सनातन अभाव है जिस अर्थ में सामान्य जन इस शब्द का प्रयोग करते रहते हैं। भाव ही सत्य है और वह सनातन है।

ऊर्जा सुरक्षा 2027 से पहले ही अर्थव्यवस्था के चार लाख डॉलर पर पहुंचने को गति देगी : हरदीप पुरी



दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

पहले ही वहां तक पहुंच जाएगा। पुरी ने कहा कि दुनिया में पेट्रोलियम उत्पादों की कोई कमी नहीं है। हालांकि कुछ तेल उत्पादक और निर्यातक देश अपने लाभ के लिए निरोहबंदी कर जीवाश्म ईंधन को 'अल्पकालिक संसाधन' के रूप में पेश करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने अपनी तेल रिफाइनरी क्षमता को 50 लाख बैरल से बढ़ाकर 54 लाख बैरल प्रतिदिन कर दिया है तथा स्थापित क्षमता को 60-70 लाख बैरल प्रतिदिन तक बढ़ाने की गुंजाइश बनी हुई है। पुरी ने कहा, हमारी तेल कूटनीति भी उच्च स्तर पर है। पश्चिम एशिया के पारंपरिक बाजारों के साथ भारत अब रुस के अलावा अमेरिका एवं सूरीनाम से भी कुछ तेल का आयात करता है। 'ईंधन प्रचुरता परिदृश्य' की पुष्टि करते हुए पुरी ने कहा कि अमेरिका तेल बाजार में 1.3 करोड़ बैरल डालेगा। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए उपलब्धता और सामर्थ्य जैसी चुनौतियां चिंताजनक हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हरित ऊर्जा स्रोत के विकास और उपयोग ने भी कई क्षेत्रों में वृद्धि को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है।

माजपा रमेश बिधुड़ी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाएगी : केजरीवाल



दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

'हमें विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि माजपा अगले एक-दो दिन में रमेश बिधुड़ी को अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने जा रही है।' उन्होंने कहा, 'आप और माजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों के बीच खुली सार्वजनिक बहस होनी चाहिए, चाहे वह रमेश बिधुड़ी हों या कोई और।' केजरीवाल ने संवाददाताओं के सवाल पर कहा, 'हां, हम माजपा को बहस के लिए चुनौती दे रहे हैं।' माजपा ने कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से बिधुड़ी को मैदान में उतारा है। बिधुड़ी का मुकाबला आप उम्मीदवार और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी से होगा, जो इस सीट से दोबारा चुनाव लड़ रही हैं। आतिशी ने भी शुक्रवार को यह दावा किया था कि माजपा बिधुड़ी को अपना मुख्यमंत्री चेहरा बनाने जा रही है।

गुजरात: अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव में 47 देशों के 143 पतंगबाजों ने हिस्सा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव का उद्घाटन किया। इस महोत्सव में 47 देशों के 143 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के पतंग बाजार में गुजरात की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है और अमेरिका, ब्रिटेन तथा



कनाडा जैसे देशों को यहां से निर्यात किया जाता है। अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर 11 से 14 जनवरी तक 'अंतरराष्ट्रीय पतंग

महोत्सव-2025' का आयोजन किया जा रहा है। अहमदाबाद के साथ ही यह महोत्सव 12 जनवरी को 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' (एकला नगर), राजकोट और वडोदरा, जबकि 13 जनवरी को सूरत, शिवराजपुर और धोडों में भी आयोजित किया जा रहा है। राज्य के पर्यटन मंत्री मुलू बेरा ने कहा कि इस वर्ष 47 देशों के अंतरराष्ट्रीय 143 पतंगबाज और भारत के 11 राज्यों के 52 पतंगबाज महोत्सव में हिस्सा ले रहे हैं। पटेल ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस महोत्सव को पर्यटन के साथ जोड़कर इसमें आधुनिक सिद्धांत शामिल किये थे। उन्होंने कहा,

झुग्गी वासी 'आप-दा' सरकार को उखाड़ फेंक कर दिल्ली को मुक्त कराएंगे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि विधानसभा चुनाव में 'आप-दा' सरकार को उखाड़ फेंक कर झुग्गी वासी दिल्ली के मुक्तिदाता बनेंगे और भरोसा दिलाया कि यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय राजधानी में सरकार बनाती है तो गरीबों के लिए किसी भी कल्याणकारी योजना को बंद नहीं किया जाएगा। यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 'झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने दावा किया कि भाजपा के चुनाव जीतने पर प्रत्येक झुग्गी वासी को एक आवास मुहैया किया जाएगा। दिल्ली की 70 सदस्यीय



विधानसभा के लिए चुनाव पांच फरवरी को होना है और मतगणना आठ फरवरी को होगी। शाह ने अयोध्या के राम मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पहली वर्षगांठ पर 'जय श्री राम' के जोरदार उद्घोष के साथ उपस्थित लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'जब हमने राम मंदिर की बात की तो केजरीवाल ने कहा कि शौचालय बनाने की जरूरत है,

केजरीवाल पर झुग्गी वासियों को धोखा देने और उन्हें झुग्गियों में दयनीय स्थिति में रहने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। शाह ने शहर की झुग्गी बस्तियों में पेयजल और सीवर की कमी तथा कूड़े के ढेर का हवाला देते हुए कहा, 'झुग्गीवासी दिल्ली के मुक्तिदाता बनेंगे और 'आप-दा' सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे।' वरिष्ठ भाजपा नेता ने केजरीवाल पर उनके इस दावे के लिए हमला बोला कि पार्टी ने दिल्ली चुनाव के लिए अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर रमेश बिधुड़ी के नाम को अंतिम रूप दे दिया है। शाह ने कहा, 'क्या केजरीवाल भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला कर सकते हैं?' उन्होंने कहा कि आप सुप्रीमो की 'जोड़-तोड़' को दिल्ली की जनता समझ चुकी है।

पंजाब में नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए मान ने शाह से 600 करोड़ रुपए मांगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नशीले पदार्थों के मामलों के तेजी से निस्तारण के लिए विशेष एनडीपीएस अदालतें स्थापित करने के वारंटे 600 करोड़ रुपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता मांगी। मान ने कहा कि पंजाब में नशे की समस्या सामाजिक-आर्थिक संतुलन को बिगाड़ रही है, जिससे अपराध, परलु हिंसा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 'मादक पदार्थ तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मान ने केंद्र से पंजाब को विशेष एनडीपीएस (स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ) अदालतों के गठन तथा



सरकारी अभियोजकों की भर्ती के लिए 10 साल के लिए वित्तीय सहायता-प्रति वर्ष 60 करोड़ रुपये-देने का आग्रह किया। मान ने कहा 1 जनवरी 2025 तक मादक पदार्थ से जुड़े 35,000 मामले सुनवाई के लिए लंबित थे, निस्तारण की वर्तमान दर पर, औसतन एक सत्र अदालत को मुकदमा पूरा करने में सात साल लगते हैं। पांच वर्षों में औसत निस्तारण अवधि 7 वर्ष (35,000 लंबित मामले) हो जाएगी। अगले पांच वर्षों में लंबित मामलों को निस्तारण के लिए राज्य को 79 नई विशेष एनडीपीएस अदालतें स्थापित करने और इन विशेष अदालतों के लिए सहायक कर्मचारियों के साथ 79 सरकारी अभियोजकों की नियुक्ति करने की आवश्यकता है, जिसके लिए यह वित्तीय सहायता मांगी गई है।

हिमाचल प्रदेश मादक पदार्थों के बढ़ते खतरों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध : सुक्खू



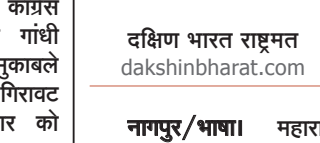
हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य में पिछले एक दशक में मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में 340 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 2012 में इसकी संख्या 500 थी, जो 2023 में बढ़कर 2200 हो गई। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थों के अथैव व्यापार की रोकथाम (पीआईटी-एनडीपीएस) अधिनियम पहली बार लागू किया गया है। यहां जारी एक बयान में कहा गया कि शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में 'मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन में वर्युअल रूप से शिरकत करते हुए उन्होंने मादक पदार्थों के मामलों के बढ़ते संकट से निपटने के लिए हिमाचल प्रदेश की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हेरोइन से जुड़े मामले दोगुने हो गए हैं, यहां 2020 में इसके 29 प्रतिशत मामले थे जो 2024 में बढ़कर 50 प्रतिशत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य विधानमंडल ने एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 37 में संशोधन किया है, ताकि कानूनी खामियों को दूर किया जा सके। उन्होंने बताया कि 'पीआईटी-एनडीपीएस' अधिनियम पहली बार लागू किया गया। यह अधिनियम मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल बार-बार अपराध करने वाले अपराधियों को हिरासत में लेने में उपयोगी है।

रुपये की गिरावट के सारे रिकॉर्ड टूटे, प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए : प्रियंका



नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी यादव ने डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावट को लेकर शनिवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि रुपये की गिरावट के सारे रिकॉर्ड टूट चुके हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश की जनता को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार एक डॉलर की कीमत 86.4 रुपये हो गई है। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा गुजरात का मुख्यमंत्री रहने के दौरान दिए गए एक बयान का हवाला देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। इतिहास में पहली बार एक डॉलर की कीमत 86.4 रुपये हो गई है। डॉ. मनमोहन सिंह जी के कार्यकाल में जब एक डॉलर की कीमत 58-59 रुपये थी, तब नरेन्द्र मोदी जी रुपये की कीमत को सरकार की आबरू से जोड़ते थे। यह कहते थे, मुझे सब मालूम है। किसी देश की करेंसी ऐसे गिर नहीं सकती...।

शिवसेना (उबाठा) अकेले लड़ेगी स्थानीय निकाय चुनाव : संजय राउत



नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महा विकास आघाडी की हार को लेकर आरोप-प्रत्यारोप के बीच प्रमुख घटक उद्भव ठाकरे नीत शिवसेना ने स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की। इस कदम से विपक्षी खेमे की एकता पर सवालिया निशान खड़ा हो गया है। शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी आगामी स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी। शिवसेना (उद्भव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने गठबंधन में संबधित दलों के कार्यकर्ताओं के लिए अवसरों की कमी और



निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी या नहीं, जिसका कार्यक्रम अभी घोषित होना बाकी है। शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने कहा कि शिवसेना (उबाठा) के फैसले से एमवीए गठबंधन के सभी तीन घटकों की चुनावी संभावनाओं पर अस्तर पड़ेगा। राज्यसभा सदस्य ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' और महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए है। उन्होंने कहा, 'गठबंधन में, अलग-अलग दलों के कार्यकर्ताओं को अवसर नहीं मिलते और इससे संगठनात्मक विकास में बाधा आती है। हम अपने दम पर मुंबई, ठाणे, नागपुर और अन्य नरतुव इस बात पर फैसला करेगा कि कांग्रेस स्थानीय



आबकारी नीति पर कैंग रिपोर्ट ने केजरीवाल की पोल खोल दी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को दावा किया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैंग) ने दिल्ली सरकार की आबकारी नीति के कारण 2,026 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। नड्डा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सत्ता के नशे में चूर, कुशासन में डूबे। लूट का 'आप' वा मॉडल पूरी तरह से उजागर है और वह भी शराब जैसी चीज पर।' नड्डा ने कहा कि 'आप' सरकार को सत्ता से बाहर करने और उसके गलत कामों के लिए दंडित किए जाने में बस कुछ ही सप्ताह बाकी हैं। भाजपा अध्यक्ष के बारे में 10 प्रमुख निष्कर्ष निकाले हैं, जिसे 'आप' सरकार ने विवाद के बीच रद्द कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस नीति पर उठाए गए सवालों का जवाब देना होगा। उन्हें बताया होगा कि पैसा किसकी जेब में गया।' उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल इस घोटाले के सरना हैं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने दावा किया कि दिल्ली सरकार की आबकारी नीति गई 'चूक' को उजागर किया है, जिससे सरकारी खजाने को 2,026 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। नड्डा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सत्ता के नशे में चूर, कुशासन में डूबे। लूट का 'आप' वा मॉडल पूरी तरह से उजागर है और वह भी शराब जैसी चीज पर।' नड्डा ने कहा कि 'आप' सरकार को सत्ता से बाहर करने और उसके गलत कामों के लिए दंडित किए जाने में बस कुछ ही सप्ताह बाकी हैं। भाजपा अध्यक्ष के बारे में 10 प्रमुख निष्कर्ष निकाले हैं, जिसे 'आप' सरकार ने विवाद के बीच रद्द कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस नीति पर उठाए गए सवालों का जवाब देना होगा। उन्हें बताया होगा कि पैसा किसकी जेब में गया।' उन्होंने

आरोप लगाया कि केजरीवाल इस घोटाले के सरना हैं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने दावा किया कि दिल्ली सरकार की आबकारी नीति गई 'चूक' को उजागर किया है, जिससे सरकारी खजाने को 2,026 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। नड्डा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सत्ता के नशे में चूर, कुशासन में डूबे। लूट का 'आप' वा मॉडल पूरी तरह से उजागर है और वह भी शराब जैसी चीज पर।' नड्डा ने कहा कि 'आप' सरकार को सत्ता से बाहर करने और उसके गलत कामों के लिए दंडित किए जाने में बस कुछ ही सप्ताह बाकी हैं। भाजपा अध्यक्ष के बारे में 10 प्रमुख निष्कर्ष निकाले हैं, जिसे 'आप' सरकार ने विवाद के बीच रद्द कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस नीति पर उठाए गए सवालों का जवाब देना होगा। उन्हें बताया होगा कि पैसा किसकी जेब में गया।' उन्होंने

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल मार्ग का पहला चरण 2026 के अंत तक पूरा हो जाएगा : मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

गोपेश्वर/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कर्णप्रयाग-सिमाई में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना स्थल का दौरा करने के बाद कहा कि इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का पहला चरण 2026 के अंत तक पूरा हो जाएगा। कर्णप्रयाग-सिमाई में परियोजना के तहत एक सुरंग बनाई जा रही है। धामी ने कर्णप्रयाग में संवाददाताओं से कहा, यह एक अनूठी परियोजना है। आप देख सकते हैं कि पहाड़ियों में सुरंग बनाना कितना मुश्किल है। हालांकि, काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2026 के अंत तक परियोजना का पहला चरण पूरा



हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह उत्तराखंड के विकास में एक बड़ा मील का पथर साबित होगा। धामी 23 जनवरी को होने वाले शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने के लिए कर्णप्रयाग पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि रेल परियोजना पूरी हो जाने के बाद पहाड़ों की यात्रा आसान हो जाएगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। धामी ने कहा कि इससे चारघामन की यात्रा बेहद सुविधाजनक हो जाएगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 में 'थोड़ा कमजोर' रहने की आशंका: आईएमएफ एमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

वार्शिंगटन/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिन लागीते ने कहा है कि स्थिर वैश्विक वृद्धि के बावजूद 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 'थोड़ा कमजोर' रहने की आशंका है। लागीते ने कहा कि उन्हें इस साल दुनिया में मुख्य रूप से अमेरिका की व्यापार नीति को लेकर काफी अनिश्चितता नजर आने की संभावना दिख रही है। उन्होंने शुक्रवार को अपनी वार्षिक मीडिया गोलेमंत्र बैठक में कहा कि वर्ष 2025 में वैश्विक वृद्धि स्थिर रहने की संभावना है लेकिन इसमें क्षेत्रीय भिन्नताएं देखने को मिलेंगी। लागीते ने पिछले कुछ वर्षों में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शुमार भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 में थोड़ा कमजोर होने की आशंका भी जताई। हालांकि, उन्होंने इस बारे में कुछ अधिक नहीं बताया। विश्व अर्थव्यवस्था परिदृश्य पर आने वाली रिपोर्ट में इस बारे में अधिक जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा, अमेरिका हमारी अपेक्षा से काफी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, यूरोपीय संघ (ईयू) कुछ हद तक रुका हुआ है, (और) भारत थोड़ा कमजोर है।

अदालत ने अभिनेता अल्लू अर्जुन की जमानत शर्तों में ढील दी, विदेश यात्रा की अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। अभिनेता अल्लू अर्जुन को बड़ी राहत देते हुए यहां की एक अदालत ने फिल्म 'पुष्पा 2' के प्रीमियर के दौरान भागदंड मचने के मामले में उनकी जमानत की शर्तों में ढील दी है और उन्हें हर रविवार को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने से छूट दे दी है। अदालत ने उन्हें इस शर्त के साथ निर्दिष्ट देशों की यात्रा करने की भी अनुमति दी कि उन्हें आवश्यकता पड़ने पर चिक्कडपल्ली पुलिस थाने के एएसओ को समक्ष पेश होना होगा। उन्हें निर्दिष्ट किया गया है कि वह एएसओ को अपनी यात्रा कार्यक्रम की जानकारी दें तथा आरोप पत्र दाखिल होने तक गंतव्य देश में अपने उरहने के स्थान का विवरण उपलब्ध कराएं। अदालत ने 10 जनवरी के अपने आदेश में कहा कि जमानत की शेष शर्तों में कोई बदलाव नहीं होगा। अदालत का यह निर्णय अभिनेता द्वारा जमानत की शर्तों में ढील देने के अनुरोध संबंधी याचिका के बाद आया है। इससे पहले तीन जनवरी को हैदराबाद की एक अदालत ने फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान भागदंड मचने से एक महिला की मौत होने के मामले में अल्लू अर्जुन को नियमित जमानत दे दी थी। अदालत ने कहा था कि अभिनेता को दो महीने की

अदालत ने अभिनेता अल्लू अर्जुन की जमानत शर्तों में ढील दी, विदेश यात्रा की अनुमति दी



अवधि के लिए या आरोप पत्र दाखिल होने तक हर रविवार को पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न एक बजे के बीच जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा। अभिनेता को मामले का निपटारा होने तक अदालत की पूर्व अनुमति के बिना विदेश नहीं जाने का निर्देश दिया गया था। घटना के रिलसिले में अभिनेता को 13 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था और तेलंगाना उच्च न्यायालय की ओर से चार सप्ताह की अंतरिम जमानत मिलने के बाद 14 दिसंबर को जेल से रिहा कर दिया गया था। अभिनेता की अंतरिम जमानत 10 जनवरी को खत्म होनी थी। अल्लू अर्जुन को मामले में आरोपी नंबर 11 के रूप में नामजद किया गया है। उन्होंने अदालत में नियमित जमानत याचिका दायर की थी।

छत्तीसगढ़ में 43 लाख रुपए के इनामी नौ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बलों पर हमलों में कथित रूप से शामिल नौ कुख्यात नक्सलियों ने शनिवार को आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने इन नक्सलियों पर कुल 43 लाख रुपये का इनाम था। सुकमा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण चव्हाण के मुताबिक, दो महिलाओं समेत नौ नक्सलियों ने पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली 'खोखली' और 'अमानवीय' माओवादी विचारधारा तथा प्रतिबंधित संगठन के भीतर जारी अंदरूनी कलह से निराश हैं। चव्हाण के अनुसार, नक्सलियों की प्लाटून संख्या 24 के कमांडर रनसाई उर्फ ओयम बुस्का (34) और पीएलजीए बटालियन संख्या 1 की कंपनी विंग के सदस्य प्रदीप उर्फ रव्या राकेश (20) पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



शनिवार को बंगलूरु में राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, श्रीमती सुदेश धनखड़ के साथ किया। इस कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या और अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

सेवा विस्तार से उन लोगों को नुकसान होगा जो कतार में हैं : उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि सेवा में विस्तार या किसी विशेष पद के लिए किसी भी रूप में विस्तार उन लोगों के लिए झटका होता है जो कतार में हैं। धनखड़ ने यहां राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। उनके अनुसार, सेवा विस्तार से यह संकेत मिलता है कि कुछ व्यक्ति अपरिहार्य हैं। धनखड़ ने कहा, "अपरिहार्यता एक मिथक है। इस

देश में प्रतिभाओं की भरमार है। कोई भी अपरिहार्य नहीं है। इसलिए, यह राज्य और केंद्र स्तर पर लोक सेवा आयोगों के अधिकार क्षेत्र में है कि जब ऐसी परिस्थितियों में उनकी भूमिका हो, तो उन्हें दृढ़ रहना चाहिए।"

उन्होंने यह भी कहा कि लोक सेवा आयोगों की नियुक्तियां संरक्षण या पक्षपात से प्रेरित नहीं हो सकतीं। धनखड़ ने कहा, "हमारे पास लोक सेवा आयोग का ऐसा अध्यक्ष या सदस्य नहीं हो सकता, जो किसी खास विचारधारा या व्यक्ति से जुड़ा हो। ऐसा होना संविधान के दांचे के सार और भावना को नष्ट कर देगा।"

उपराष्ट्रपति ने सेवानिवृत्ति के

बाद की भर्ती पर भी नाराजगी जताई और कहा कि यह संविधान के निर्माताओं द्वारा कल्पना की गई बातों के विपरीत है। उन्होंने कहा, कुछ राज्यों में, इसे परिपाटी बना दिया गया है। कर्मचारी कभी सेवानिवृत्त नहीं होते, खासकर उच्च पदस्थ सेवाओं में। यह अच्छा नहीं है। देश में हर किसी को एक मिलना चाहिए और वह एक कानून द्वारा परिभाषित किया गया है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि यदि प्रश्नत्र लीक होते हैं तो चयन की निष्पक्षता का कोई मतलब नहीं रह जाता। उन्होंने कहा, प्रश्नत्र लीक एक उद्योग बन गया है, एक तरह का व्यापार। यह एक ऐसी बुराई है जिस पर अंकुश लगाया जाना चाहिए।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के जंगल में छोड़े गए हथियार और गोला-बारूद बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिकमगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने चिकमगलूरु के समीप वन क्षेत्र से हथियार और गोलाबारूद बरामद किया है। माना जा रहा है कि ये हथियार हाल ही में आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि, पत्रकारों से बात करते हुए चिकमगलूरु के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विक्रम अमाथे ने कहा कि हथियार और गोला-बारूद आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों द्वारा छोड़ा गया था या नहीं, यह जांच का विषय है।

मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या की मौजूदगी में बुधवार शाम उनके गृह कार्यालय 'कृष्णा' में छह माओवादियों के समूह ने सरकार के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में श्रीगौरी से मुंदगारु लता, कलसा से वनजाशी बालेहोल, दक्षिण कन्नड़ से सुंदरी कुतलूरु, कर्नाटक के रायचूर से मारेप्पा अरोली, जबकि केरल के वायनाड से एन. जीशा, तमिलनाडु के वेन्नार से वसंत के शामिल हैं। एसपी विक्रम ने बताया, कल

(शुक्रवार) देर रात जयपुरा थाने में आर्स एक्ट 1959 की धारा 3,7,25(1बी) और 25(1ए) के तहत मामला दर्ज किया गया।

उन्होंने कहा कि कोप्पा तालुक के किचालेगुली से सटे वन क्षेत्र में जब्त किए गए हथियारों और गोला-बारूद में एक एके-56 राइफल, तीन 303 हथियार, एक 12 बोर एसबीबीएल बंदूक, एक देशी पिस्तौल और इनसे संबंधित 176 गोलायां शामिल हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या बरामद हथियार और गोला-बारूद आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के हैं, उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है और इनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

आत्मसमर्पण के बाद माओवादियों को बंगलूरु में विशेष राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वे फिलहाल बंगलूरु के परपना अग्रहारा सेंट्रल जेल परिसर में बंद हैं। सिद्धरामय्या ने शुक्रवार को कहा था कि प्राथिकारियों को पता है कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के हथियार कहां रखे गए हैं और उचित प्रक्रिया के बाद उन्हें बरामद कर लिया जाएगा।

ऊर्जा सुरक्षा 2027 से पहले ही अर्थव्यवस्था के चार लाख डॉलर पर पहुंचने को गति देगी : हरदीप पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



मंगलूरु। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा वर्ष 2027 के अनुमानित लक्ष्य से काफी पहले ही चार लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के राष्ट्रीय प्रयासों को गति देगी। पुरी ने यहां सातवें मंगलूरु साहित्य महोत्सव के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने भारतीय अर्थव्यवस्था के वर्ष 2027 तक अपने लक्ष्य पर पहुंच जाने का अनुमान जताया है। पुरी ने कहा, हालांकि अगर मौजूदा रफ्तार जारी रही तो भारत उससे बहुत पहले ही वहां तक पहुंच जाएगा।

पुरी ने कहा कि दुनिया में

पुरी ने कहा, हमारी तेल कूटनीति भी उच्च स्तर पर है। पश्चिम एशिया के पारंपरिक बाजारों के साथ भारत अब रूस के अलावा अमेरिका एवं सूरीनाम से भी कच्चे तेल का आयात करता है। ईंधन प्रचुरता 'परिदृश्य' की पुष्टि करते हुए पुरी ने कहा कि अमेरिका तेल बाजार में 1.3 करोड़ बैरल डालेगा। पुरी ने कहा, हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए उपलब्धता और सामर्थ्य जैसी चुनौतियां चिंताजनक हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि हरित ऊर्जा स्रोत के विकास और उपयोग ने भी कई क्षेत्रों में वृद्धि को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है।

महोत्सव के सातवें संस्करण का उद्घाटन प्रसिद्ध कन्नड़ लेखक एस एल भैरप्पा ने टीएमए पी सभागार में किया। इसके उद्घाटन के बाद पुरी ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर मुख्य संबोधन दिया।

कर्नाटक में नक्सलियों के आत्मसमर्पण की नीति पर अन्नमलाई ने उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



उडुप्पी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नमलाई ने कर्नाटक में नक्सलियों के आत्मसमर्पण और पुनर्वास की नीति पर चिंता जाहिर करते हुए इसकी प्रभावशीलता और पारदर्शिता पर सवाल उठाया है। अन्नमलाई ने उडुप्पी में शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सवाल उठाए। उन्होंने जनवरी 2015 से अगस्त 2016 के बीच उडुप्पी में पुलिस अधीक्षक (एसपी) और 2018 में कर्नाटक में नक्सलियों का गढ़ माने जाने वाले चिकमगलूरु के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के तौर पर कार्य किया था।

उडुप्पी के श्रीपुथिगे मठ में जगद्गुरु श्री माधवाचार्य मूल महा संस्थानम वर्तमान पर्याय स्वामी, श्रीश्रीश्री सुपुनंद्र तीर्थ स्वामीजी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष के. अन्नमलाई। अन्नमलाई ने खुशी जाहिर कि स्वामीजी ने भगवद्गीता की शिक्षाओं को तमिल सहित 8 भाषाओं में प्रसारित किया है और 1 करोड़ लोगों से भगवद्गीता के श्लोक लिखने का प्रयास जारी है।

का दृष्टिकोण नीति की सुविधा पर संदेह पैदा कर सकता है। उन्होंने विक्रम गौड़ा मुठभेड़ का उदाहरण दिया, जिससे स्थानीय लोग चिंतित हैं। उन्होंने कहा, ऐसी खबरें हैं कि मुख्यमंत्री खुद आत्मसमर्पण प्रक्रिया में शामिल रहे थे और एक सुदूर जंगल वाले स्थान पर हथियारों को दिखाया गया था। जनता के लिए इस कथन पर विश्वास करना मुश्किल हो रहा है।

अन्नमलाई ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब कर्नाटक में नक्सलियों की समस्या से निपटने के तरीके पर बहस जारी है और इसमें नेता तथा कार्यकर्ता आत्मसमर्पण के प्रति सरकार के

दृष्टिकोण पर सवाल उठा रहे हैं। अन्नमलाई ने सिलीजन्स फॉर सोशल जस्टिस" द्वारा उडुप्पी में आयोजित एक कार्यक्रम में विकास कुमार पी द्वारा लिखित पुस्तक 'संविधान बदलविरिधिया यारु?' (संविधान को किसने बदला) का विमोचन किया।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह पुस्तक कांग्रेस शासन के दौरान किए गए कई संशोधनों के बारे में बताती है, जिनका उद्देश्य हमारे नागरिकों के मौलिक अधिकारों, नागरिकों की स्वतंत्रता और यहां तक कि संविधान की प्रस्तावना के अर्थ को भी कमजोर करना था।

केरल में पुलिस कार्रवाई के बाद अंगमाली-एर्नाकुलम आर्चडायोसिस में तनावपूर्ण माहौल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोडि। केरल के कोडि में अंगमाली-एर्नाकुलम आर्चडायोसिस के बिशप हाउस के बाहर उस वक्त तनावपूर्ण माहौल बन गया, जब पुलिस ने शनिवार को वहां से कई पादरियों को हटा दिया, जो एक चर्च प्रशासक द्वारा जारी कुछ दस्तावेजों को वापस लेने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर थे। मतावलंबियों और पादरियों ने पुलिस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने मीडिया के समक्ष दावा किया कि शनिवार सुबह पुलिस ने प्रदर्शनकारी पादरियों को जब्त बिशप हाउस से बाहर निकाला। हालांकि पुलिस ने आरोपों से इनकार किया। इस बीच, आर्चडायोसिस में तनाव के बीच, इसके नेतृत्व में परिवर्तन हुआ।

साइरो-मालाबार मेजर 'आर्चीपरकोपल क्यूरिया' द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि

एर्नाकुलम-अंगमाली के आर्किपाई के अपोस्टोलिक प्रशासक के पद से बिशप पुथुर का इस्तीफा पोप फ्रांसिस ने शनिवार को स्वीकार कर लिया। बयान में कहा गया कि बिशप पुथुर ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए सितंबर 2024 में अपना इस्तीफा सौंप दिया था। इससे पहले, टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों से यह भी पता चलता है कि पुलिस कार्रवाई में कुछ प्रदर्शनकारी पादरी घायल हुए हैं।

बड़ी संख्या में मतावलंबी और पादरी सेंट मैरी बेसिलिका पहुंचने लगे, जहां प्रदर्शनकारी पादरियों को स्थानांतरित कर दिया गया था और बड़ी संख्या में पुलिस भी वहां देखी गई।

अंगमाली-एर्नाकुलम आर्चडायोसिस मुख्यालय के बाहर मतावलंबियों की पुलिस के साथ तीखी बहस भी हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि एर्नाकुलम के सहायक पुलिस आयुक्त (एसपी) सी जयकुमार ने कहा है कि सरकार अंगमाली-एर्नाकुलम आर्चडायोसिस के खिलाफ है।

निरीक्षण



शनिवार को बंगलूरु में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के साथ उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ ने बातचीत की। उनके साथ राज्यपाल थावरचंद गहलोत और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी भी मौजूद थे।

कांग्रेस नेता अपनी कुर्सी बचाने के लिए खेल खेल रहे हैं : बसवराज बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने आरोप लगाया कि राज्य कांग्रेस के नेता जनता के मुद्दों की उपेक्षा कर रहे हैं और अपनी कुर्सी सुरक्षित रखने के लिए खेल खेल रहे हैं। शनिवार को बागलकोट में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कांग्रेस की डिनर पॉलिटिक्स पर बात की और कहा कि चाहे वे डिनर करें या लंच, यह उनका आंतरिक मामला है। राज्य वित्तीय संकट में है, कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है, दलितों पर अत्याचार बढ़ रहे हैं, छात्रों को उचित छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है, किसानों को मुआवजा नहीं मिल रहा है और मातृ मृत्यु दर में वृद्धि हो रही है।



अपने निजी एजेंडे और कुर्सी की राजनीति में व्यस्त थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य के लोगों की उपेक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या की स्थिति अस्थिर होने की अपवाहों पर भाजपा सांसद ने कहा कि सिद्धरामय्या के मुख्यमंत्री बनने की प्रक्रिया शुरू से ही त्रुटिपूर्ण रही है। आने वाले दिनों में इसमें और वृद्धि होने की संभावना है।

राज्य की वित्तीय स्थिति पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके विधायक दावा कर रहे हैं कि विकास का कोई अवसर नहीं है। सिद्धरामय्या को इसका जवाब देना चाहिए। राज्य की वित्तीय स्थिति पूरी तरह से खराब हो गई है। एक साल में विकास के लिए निधि 54,000 करोड़ रुपये उनकी राजनीतिक गारंटी पर खर्च कर दिए गए हैं, जिससे वित्तीय संकट पैदा हो गया है। इसके कारण उन्होंने दूध, पानी, शराब, स्टॉप पेपर, मोटर वाहन, पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। अधिक कर लगाए जायेंगे। एक साल में 40,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर बोझ स्पष्ट रूप से राज्य की वित्तीय स्थिति को खराब कर रहा है।

कांग्रेस के इस आरोप पर कि



'अपनी सेना को जानो' मेले में मनाया वीरता का जश्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। भारतीय सेना द्वारा 77वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को 'अपनी सेना को जानो मेला 2025' का आयोजन किया गया। यह बंगलूरुवासियों के लिए अविस्मरणीय अनुभव था। इस दौरान

भारतीय सशस्त्र बलों की शक्ति और बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। बंगलूरु में शनिवार की सुबह गर्जना करती मोटरसाइकिलों, आसमान में उड़ते पैरा-मोर्टर्स के विस्फोटकारी नजारों तथा फील्ड मार्शल मानेकशां परेड ग्राउंड में टैंकों एवं ड्रॉनों सहित कॉम्पैट उपकरणों के शक्तिशाली प्रदर्शन से भरपूर थी।

कर्नाटक और केरल उप क्षेत्र मुख्यालय

द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय सेना की परिचालन क्षमताओं, तकनीकी प्रगति और नागरिकों के साथ उसके मजबूत सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कर्नाटक एवं केरल उप क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल वीटी मैथ्यू ने किया, जिन्होंने तिरंगे ग्युबारे छोड़े और वीर नारियों को सम्मानित किया।

समारोह की शुरुआत आर्मी पाइप बैंड द्वारा राष्ट्रगान से हुई, जिसके बाद रोमांचकारी पैरा-मोटर ग्लाइडिंग प्रदर्शन हुआ। मेले में एनसीसी कैडेटों, स्कूली बच्चों, गणमान्य व्यक्तियों, पूर्व सैनिकों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साह से भाग लिया। इस मेले को मिली शानदार प्रतिक्रिया ने राष्ट्र के गौरव और देशप्रेम की सामूहिक भावना को रोखांकित किया।



जीवन को खास बनाने के लिए हमें बड़े लक्ष्य चुनने पड़ेंगे : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान यूथ बोर्ड द्वारा स्वर्ण मानसिंह स्टेडियम में आयोजित किए जा रहे राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के चतुर्थ दिन शनिवार को 'युवाओं के लिए अभिप्रेरण संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण में अहम योगदान देने वाले मोटिवेशनल स्पीकर बी.आर. शंकरानंद ने युवाओं को अपने ओजस्वी सम्बोधन से प्रेरित और प्रोत्साहित किया।

युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ इस अवसर पर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि शंकरानंद ने युवाओं से जिस मार्ग पर चलने की अपेक्षा की है, उस पर चलने के लिए साहस की आवश्यकता है। हर मुश्किल को आसान बना देने वाले असाधारण लोग दुनिया में

बहुत कम होते हैं। उन्होंने युवा महोत्सव में भाग ले रहे युवाओं से कहा कि वे अनुशासन, धैर्य और साहस के बूते यहां तक पहुंचें हैं लिहाजा वे अपने आप को भीड़ का हिस्सा नहीं समझें। कर्नल राठौड़ ने कहा कि अपने जीवन को खास बनाने के लिए हमें बड़े लक्ष्यों को चुनना पड़ेगा और उन्हें प्राप्त करने के लिए अपने आप को चुनौतियों के लिए तैयार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारी छोटी-छोटी कौशलों से ही हमारे लिए बड़ा मार्ग तैयार हो पाएगा।

इससे पूर्व बी.आर.शंकरानंद ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि युवा विकास और विनाश दोनों के कारण बन सकते हैं। लेकिन भारत के युवा विशिष्ट हैं, जो कल्याणकारी मार्ग ही चुनते हैं। उन्होंने कहा कि हमें भारत को पहले आत्मनिर्भर, फिर विकसित, उसके बाद श्रेष्ठ और तत्पश्चात विश्व गुरु बनाना है। स्वामी विवेकानंद द्वारा दिखाया गया मार्ग ही भारत के विश्व गुरु बनने का माध्यम हो सकता है।

शंकरानंद ने स्वामी विवेकानंद की जीवन यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रश्न पूछना मनुष्य के व्यक्तित्व का बहुत अहम तत्व है। प्रश्न पूछने की तीव्रता को रोका नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रश्नों के उत्तर ढूंढना ही मनुष्य जीवन की विकास यात्रा है। स्वामी विवेकानंद ने भी प्रश्नों पर मंथन से ही भारत के कल्याण का मार्ग खोजा। शंकरानंद ने कहा कि भारत को समझने के लिए हमें एक-दूसरे से कनेक्ट होने की भी आवश्यकता है। भारत को ज्ञान, पराक्रम और त्याग के लिए जाना जाता है। निर्भय होना भी भारत को समझने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि अध्ययन और भ्रमण करने से भारत को समझने में आसानी होगी। शंकरानंद ने कहा कि देश के युवाओं में इतनी शक्ति है कि भारत शीघ्र ही विकसित देश बन जाएगा। विकसित भारत के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य अनिवार्य विषय हैं। उन्होंने कहा कि हमें अच्छा बनना और

अच्छा करना चाहिए। इसके लिए हम अपनी जीवन शैली में परिवर्तन लाते हुए अच्छी आदतों को अपनाएँ। शंकरानंद ने सूर्य नमस्कार और गीता पाठ के लाभ भी गिनाए। सम्बोधन के बाद शंकरानंद ने प्रदेश भर से युवा महोत्सव में आए प्रतिभागियों के सवालों के जवाब भी दिए।

प्रारम्भ में शंकरानंद ने भारत माता और स्वामी विवेकानंद जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। वहीं, कार्यक्रम के पश्चात खिलाड़ियों ने मखमख का सांस्कृतिक प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को रोमांचित किया। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव एवं राजस्थान यूथ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. नीरज के. पवन, राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजेश्वर सिंह, युवा मामले एवं खेल विभाग की उप सचिव श्रीमती अनीता मीणा और राजस्थान यूथ बोर्ड के सदस्य सचिव कैलाश पहाड़िया सहित विशिष्टजन और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

पचपदरा रिफाइनरी राजस्थान के विकास के लिए महत्वपूर्ण : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि पचपदरा में एचपीसीएल रिफाइनरी का निर्माण न केवल पश्चिमी राजस्थान बल्कि पूरे राज्य के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने परियोजना की लंबित इकाइयों का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए ताकि उत्पादन शुरू हो सके और पेट्रोलिएम उत्पादों की बिक्री से राज्य को अधिक से अधिक राजस्व प्राप्त हो सके।

उन्होंने साथ ही परियोजना के निर्माण कार्यों में स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। शर्मा ने बालोतरा जिले का दौरा किया, जहां उन्होंने पचपदरा में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का निरीक्षण कर समीक्षा बैठक की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, राज्य सरकार एवं रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बस में बैठ कर रिफाइनरी के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। शर्मा ने रिफाइनरी परिसर में ही हाईड्रेंटिंग मोटर के जरिए 'कम्प्रेस्ड एयर नाइट्रोजन' संयंत्र का उद्घाटन भी किया। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने रिफाइनरी में निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि इस परियोजना



का निर्माण केवल पश्चिमी राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी परिसर में 'ड्यूल फीड ब्रेकर यूनिट' का अवलोकन किया और श्रमिकों के साथ बातचीत भी की। उन्होंने जिला पुलिस अधिकारियों को रिफाइनरी और आस-पास के क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए प्रभावी कार्यवाई करने का निर्देश दिया। शर्मा ने एचआरआरएल के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि रिफाइनरी परिसर में 'ग्रीन बेल्ट' विकसित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिफाइनरी के आस-पास के क्षेत्र में पेट्रो जोन का विकास किया जाना है।

उन्होंने अधिकारियों को पेट्रो जोन के क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों से भी निरंतर संपर्क स्थापित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रिफाइनरी का काम अक्टूबर 2022 में पूरा होना था लेकिन कांग्रेस सरकार के दुलमुल

तरीकों के कारण 2023 के अंत तक तीन-चौथाई काम भी पूरा नहीं हो सका। हमने पिछले एक वर्ष में 13,500 करोड़ रुपये व्यय कर रिफाइनरी का 90 प्रतिशत से अधिक काम पूरा कर लिया है। मैंने आज (शुक्रवार) ही तीन से चार महीने के भीतर रिफाइनरी में कच्चे तेल की रिफाइनिंग का काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने रिफाइनरी के साथ इसके आस-पास औद्योगिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए भी कोई पहल नहीं की। हमारी सरकार रिफाइनरी के पास रीको की तर्फ से 'प्लान एंड प्ले' आधारित व्यवस्था स्थापित कर रही है ताकि उद्यमियों द्वारा शुरूआती दौर में बिना अधिक पूंजी लगाए उद्योग शुरू किए जा सकें।

शर्मा के अनुसार, हमारी सरकार जुमलेबाजी में समय खर्च करने की जगह सीधे कार्यवाई पर ध्यान देती है और इसी कारण लंबे समय से प्रतीक्षित रिफाइनरी शीघ्र शुरू होने जा रही है।



मारवाड़ी उद्यमिता के गुणों से युक्त मानव समुदाय : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि मारवाड़ी उद्यमिता के गुणों से युक्त मानव समुदाय है। जहांजहां मारवाड़ी गए हैं, उन्होंने वहां की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि जहांजहां बेलगाड़ी पहुंची वहांजहां मारवाड़ी भी पहुंचे और वहां के विकास में अपना योगदान दिया है। उन्होंने जालना के मारवाड़ी उद्यमियों की चर्चा करते हुए महाराष्ट्र और पूरे देश में उनके

राज्यपाल ने कहा कि देश के प्रमुख उद्योगपतियों की सूची में राजस्थानी उद्योगपतियों की संख्या सबसे ज्यादा है। फोर्स की सूची में भी देश के प्रमुख उद्योगपतियों और धनी व्यक्तियों में मारवाड़ी अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी कोई जाति नहीं है, बल्कि विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक समूह का सूचक है। यह उद्यमिता के गुणों से युक्त मानव समुदाय है। आरंभ में राज्यपाल बागड़े का मारवाड़ी संघ द्वारा अभिनंदन किया गया। उन्होंने मारवाड़ी संघ के पदाधिकारियों से संवाद कर राजस्थान में निवेश के लिए भी उन्हें प्रोत्साहित किया।



पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान में बारिश, कोहरा व कड़ाके की सर्दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से राजस्थान में मौसम अचानक बदल गया है और कई जगह बारिश व वज्रपात के बीच कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। राज्य के अनेक इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार सुबह के चौबीस घंटों के दौरान राज्य में कहीं कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 2.8 मिलीमीटर बारिश फलोदी में हुई। इस दौरान सबसे कम न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अनेक इलाकों में दिन की शुरुआत घने कोहरे के बीच हुई।

इस दौरान जिन इलाकों में बारिश हुई उनमें जोधपुर, जैसलमेर, अलवर, अजमेर व बीकानेर जिले के अनेक स्थान शामिल हैं। राजधानी जयपुर सहित अनेक जगह पर

कॉचिंग शिक्षक किराए के कमरे में मृत मिला, आत्महत्या का संदेह

कोटा। राजस्थान में 25 वर्षीय एक कॉचिंग शिक्षक अपने किराए के कमरे में मृत पाया गया। पुलिस को संदेह है कि उसने कोई जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान मूलरूप से भरतपुर जिला निवासी विवेक शर्मा के रूप में हुई है और वह पिछले तीन-चार साल से कोटा में रहकर यहां विभिन्न कॉचिंग संस्थानों में शिक्षक के रूप में कार्यरत था।

पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) बुधराम चौधरी ने बताया कि घटना बृहस्पतिवार रात को जवाहर नगर के तलवंडी सेक्टर-1 में हुई। अधिकारी ने बताया कि शाम को विवेक के पिता हरीश शर्मा ने अपने बेटे से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उसके पिता ने चिंतित होकर एक परिचित से विवेक का हालचाल जानने के लिए कहा।

सीओ ने बताया कि रात करीब 10 बजे उसके कमरे में पहुंचे परिचित ने खिड़की से झांका तो विवेक बेहोश पड़ा था। सीओ ने बताया मौके पर पहुंची पुलिस उसे न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।



महिलाओं-बच्चों के उत्थान के लिए राज्य सरकार संवेदनशील : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि मारवाड़ी उद्यमिता के गुणों से युक्त मानव समुदाय है। जहांजहां मारवाड़ी गए हैं, उन्होंने वहां की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि जहांजहां बेलगाड़ी पहुंची वहांजहां मारवाड़ी भी पहुंचे और वहां के विकास में अपना योगदान दिया है। उन्होंने जालना के मारवाड़ी उद्यमियों की चर्चा करते हुए महाराष्ट्र और पूरे देश में उनके

राज्यपाल ने कहा कि देश के प्रमुख उद्योगपतियों की सूची में राजस्थानी उद्योगपतियों की संख्या सबसे ज्यादा है। फोर्स की सूची में भी देश के प्रमुख उद्योगपतियों और धनी व्यक्तियों में मारवाड़ी अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी कोई जाति नहीं है, बल्कि विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक समूह का सूचक है। यह उद्यमिता के गुणों से युक्त मानव समुदाय है। आरंभ में राज्यपाल बागड़े का मारवाड़ी संघ द्वारा अभिनंदन किया गया। उन्होंने मारवाड़ी संघ के पदाधिकारियों से संवाद कर राजस्थान में निवेश के लिए भी उन्हें प्रोत्साहित किया।

बच्चों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। इस शिबिर में हम साथ मिलकर इनके भविष्य को और अधिक सशक्त की दिशा में ध्यान करें जिससे महिला एवं बाल विकास को नई दिशा मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव लाए हैं। वे राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने नई योजनाओं एवं नवाचारों से देश के विकास में नया अध्याय जोड़ा है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृशक्ति तथा बच्चों के समग्र विकास के लिए समर्पित हैं, उनके अनुसार देश में महिला, युवा, किसान तथा मजदूर चार जातियां हैं। जिनके उत्थान एवं सर्वांगीण विकास के लिए सरकार काम कर रही है। शर्मा ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों पर तीन से छह वर्ष के बच्चों को पोषाहार के साथ अतिरिक्त पोषण के लिए सप्ताह में एक दिन पौषण के लिए यह दिन शिविर महिलाओं एवं

उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना शुरू की गई है। राज्य सरकार दो हजार आंगनवाड़ी केंद्रों को आदर्श आंगनवाड़ी के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन में सहयोग करने वाले स्थानीय आमजन का सम्मान करना चाहिए। राज्य सरकार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित प्रत्येक योजना की निरंतर मॉनिटरिंग, मूल्यांकन तथा आकलन कर रही है जिससे योजनाओं का लाभ प्राप्त व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि को राज्य सरकार ने पांच हजार से बढ़ाकर छह हजार 500 रुपये कर दिया गया है। साथ ही दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को 10 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। शर्मा ने कहा कि बालिका सशक्तीकरण के लिए लड़के

जोधपुर में लवली कंडारा एनकाउंटर मामले में सीबीआई ने दर्ज किया केस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। हिस्ट्रीशीटर लवली कंडारा एनकाउंटर मामले की परती अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (उड़ख) खोलेगी। 2021 में हुए फर्जी एनकाउंटर के आरोपों के बाद कंडारा के परिवार ने सीबीआई जांच की मांग की थी। 9 जनवरी को दिल्ली में मामला दर्ज होने के बाद जांच शुरू कर दी गई है। प्रकरण के अनुसार 13 अक्टूबर 2021 को जोधपुर के रातानाडा थाने के हिस्ट्रीशीटर लवली कंडारा का पुलिस ने एनकाउंटर किया था। पुलिस का दावा था कि लवली अपने साथियों के साथ भागने की कोशिश कर रहा था, इसी दौरान हुई मुठभेड़ में गोली लगने से उसकी मौत हो गई। सीबीआई ने इस मामले में रातानाडा थाने के तत्कालीन एसएचओ लीलाराम और चार अन्य



मानव धर्म सबसे श्रेष्ठ धर्म : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि मानव धर्म सबसे श्रेष्ठ धर्म है। उन्होंने संतमहात्माओं के जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने 'महानुभव पंथ' की चर्चा करते हुए जाति, पाति, धर्म भेद से परे मानवता के धर्म को सर्वोच्च

प्राथमिकता देते हुए समाज के सभी वर्गों को जोड़कर जीवन उत्कर्ष के लिए कार्य करने का आह्वान किया है।

राज्यपाल बागड़े शनिवार को महाराष्ट्र के जालना में आयोजित 'महाधितनी' कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महानुभाव संप्रदाय में संतों ने वर्ण व्यवस्था और जाति व्यवस्था को चुनौती देते हुए महिलाओं को शिक्षा और सम्मानता का अधिकार प्रदान किया है।

अब निर्माणाधीन आवासीय भवनों के लिए मिल सकेंगे स्थायी विद्युत कनेक्शन

जयपुर। स्वयं के आवासीय उपयोग हेतु भवन निर्माणकर्ताओं को अब स्थायी घरेलू विद्युत कनेक्शन मिल सकेंगे। जयपुर विद्युत वितरण निगम ने ऐसे आवेदकों के इंत में हड़ बढ़ा निर्णय किया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं।

डिस्कॉमस चेरमन एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक सुशीला आरती डोगरा ने बताया कि पूर्व में स्वयं के उपयोग के लिए आवासीय भवन निर्माण कराने वाले आवेदकों को अस्थायी कनेक्शन जारी किए जाते थे। साथ ही, निर्माण पूरा होने के बाद स्थायी कनेक्शन के लिए उपभोक्ताओं को अलग से आवेदन करना पड़ता था। जिसके लिए फिर से कनेक्शन और निरीक्षण संबंधी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था।

देश और दुनिया में धूम मचा रहा है उत्तर प्रदेश का ब्रांड 'ओडीओपी' : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) योजना की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना उत्तर प्रदेश की विशिष्ट पहचान बन गई है और आज देश और दुनिया में धूम मचा रही है। शनिवार को यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने खादी महोत्सव-2025 का भव्य उद्घाटन किया और इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इस साप्ताहिक व्यापी महोत्सव में देश भर से आए खादी और हथकरघा

उत्पादों के कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले का एक उत्पाद (ओडीओपी) अब न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान को उत्तर प्रदेश ने पूरे देश में सबसे प्रभावी ढंग से लागू किया है। उन्होंने कहा कि हर जिले के उत्पाद न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहे हैं, बल्कि हस्तशिल्प और उद्यमिता को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने विभिन्न जिलों के वर्यों और हस्तशिल्प उत्पादों की विशेषताओं की चर्चा करते हुए कलाकारों की प्रतिभा की भी सराहना की। योगी ने चीन निर्मित उत्पादों के स्थान पर स्थानीय हस्तशिल्प और ओडीओपी

उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले ल्योहार हमारा होता था सामान चीन से बिकने के लिए यहां पर आता था। वे लोग शरारत भी करते थे, उत्पादों में ऐसा जहर मिलाते थे कि बच्चे छूते थे तो बीमार हो जाते थे, बहुत सारे लोगों की आंखों की रोशनी जाने का खतरा बना रहता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय उत्पाद न केवल हमारे कलाकारों को रोजगार देते हैं, बल्कि भारत के विकास में भी योगदान करते हैं। योगी ने खादी को भारत का स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि खादी केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि भारत का स्वाभिमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाना गांधी ने इसे एक आंदोलन बनाया, जिसने आजादी

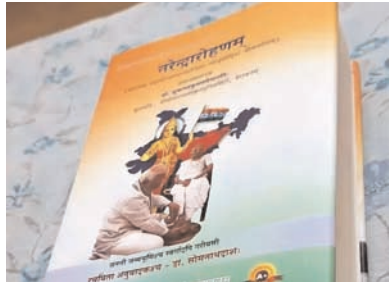


की लड़ाई को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। चरखे ने देशवासियों को न केवल रोजगार का साधन प्रदान किया, बल्कि यह राष्ट्रीय आंदोलन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बना। आज, आधुनिक युग में यह मैनुअल, सोलर और इलेक्ट्रिक चरखों के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि खादी न केवल एक कला है, बल्कि समाज की

आवश्यकता भी है। महोत्सव में माटी कला बोर्ड द्वारा प्रस्तुत उत्पादों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मिट्टी से बने बर्तनों ने थर्मालेन और प्लास्टिक का पर्यावरण अनुकूल विकल्प प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि माटी कला उद्योग से जुड़े प्रजापति समुदाय को तालाबों से सुपुत्र मिट्टी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे ये वर्षभर बर्तन बना सकें। माटी कला न केवल रोजगार का साधन बनी है, बल्कि दीपावली जैसे आयोजनों में इसे हर घर की परंपरा में शामिल कर दिया है। योगी ने शहद उत्पादन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह न केवल प्रकृति से प्राप्त पोषण है, बल्कि तिलहन फसलों की उत्पादकता भी

बढ़ाता है। उन्होंने इसे आम के आम, गुठली के दाम की संज्ञा दी और कहा कि मधुमक्खियां फसल उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार करती हैं। योगी ने कहा कि सरकार ने खादी, माटी कला और अन्य उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने के लिए तंत्र विकसित किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन लाभार्थियों को सोलर या इलेक्ट्रिक चाक, चरखा आदि प्रदान किए गए हैं, वे अपनी आय का एक हिस्सा बचत के रूप में सुरक्षित रखें और अन्य लोगों को स्वावलंबन के मार्ग पर प्रेरित करें। खादी महोत्सव को एक व्यापक मंच बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव कलाकारों, बुनकरों और उद्यमियों को अपनी कला प्रदर्शित करने

और नई तकनीकों को सीखने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव न केवल खादी और ग्रामीणों को प्रोत्साहित कर रहा है, बल्कि देशभर के कलाकारों और उद्यमियों को एक मंच पर ला रहा है। मुख्यमंत्री ने खादी के अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती मांग का उल्लेख करते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि खादी और हथकरघा के उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल हैं और आधुनिक फैशन में भी लोकप्रिय हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि महाकुम्भ में 240 से अधिक स्टॉल खादी और ग्रामीणों के द्वारा वहां पर स्थापित किए गए हैं, जिसके माध्यम से खादी का प्रचार-प्रसार होगा।



ओडिशा के संस्कृत विद्वान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर महाकाव्य लिखा

ब्रह्मपुर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के गंजाम जिले के एक संस्कृत विद्वान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन और कार्यों पर संस्कृत भाषा में एक महाकाव्य लिखा है। राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति में एसोसिएट प्रोफेसर सोमनाथ दास द्वारा लिखित और सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात द्वारा प्रकाशित 700 पृष्ठों की कृति 'नरेन्द्र आओहणम' का पिछले सप्ताह वेरावल में आयोजित एक युवा महोत्सव में दिमोचन किया गया।

इस पुस्तक में 12 अध्यायों में 1,200 श्लोक हैं, जिनमें अंग्रेजी और हिंदी में वर्णन है। इसमें मोदी की जीवन यात्रा, उनके बचपन की गतिविधियों, गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में और प्रधानमंत्री के रूप में उनके दूसरे कार्यकाल तक का वर्णन किया गया है। दास (48) ने कहा, 'गुजरात के एक साधारण परिवार में जन्मे मोदी ने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे और आज वह दुनिया के सभी युवाओं के लिए आदर्श बन गए हैं। उनकी राजनीतिक यात्रा और जीवन का संघर्ष हमेशा इतिहास में अंकित रहेगा।'

ओडिशा के बालासोर में बंदखली अभियान से पहले कुछ स्थानों में कर्फ्यू लागू

बालासोर/भाषा। ओडिशा के बालासोर में रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ बंदखली अभियान से पहले जिला प्रशासन ने शनिवार को जिले के कुछ इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया। एक अधिकारी ने बताया कि बंदखली अभियान की जरूरत इसलिए पड़ी, क्योंकि कुछ लोगों ने रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है और पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले के नारायणगढ़ से बालासोर होते हुए भद्रक तक तीसरी लाइन के निर्माण में बाधा डाल रहे हैं। अधिकारी ने बताया यातायात कम करने और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए नई रेल लाइन का निर्माण किया जा रहा है। बालासोर के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट ने आदेश में कहा, अरावबाजार से सड़की बाजार, हरिपुर से दर्जौ पोखरी चक, कारिमिला पुल से फुलाड़ी चक, नुआबाजार रेलवे फाटक, गोलापोला व नुआबाजार सड़की बाजार क्षेत्र में सड़क के दोनों ओर 11 जनवरी को तड़के चार बजे से रात 10 बजे तक और 12 जनवरी को तड़के चार बजे से रात 10 बजे तक कर्फ्यू लागू रहेगा। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत एनडीपीएम को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिया गया है।

मणिपुर के कामजोंग जिले में भीड़ ने असम राइफल्स के अस्थायी शिविर को क्षतिग्रस्त किया

इंफाल/भाषा। मणिपुर के कामजोंग जिले में कथित उत्पीड़न और लकड़ी की दुलाई पर प्रतिबंध के विरोध में भीड़ ने असम राइफल्स के एक अस्थायी शिविर पर धावा बोला और उसे बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। होंगबैंड क्षेत्र में शिविर पर हमला करने वाले समूह के सदस्य नंगा बहुत जिले के कसोम खुल्लेन ब्लॉक के थे। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को तनाव उस समय बढ़ गया, जब असम राइफल्स के जवानों ने कसोम खुल्लेन में घर के निर्माण के लिए कथित तौर पर लकड़ी की दुलाई पर रोक लगा दी। उन्होंने बताया कि असम राइफल्स के जवानों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और हवा में गोलियां चलाईं। अधिकारी के मुताबिक, बाद में भीड़ ने अर्धसैनिक बल के अस्थायी शिविर को क्षतिग्रस्त कर दिया और मांग की कि उसे इलाके से हटा दिया जाए। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी के हलाकत होने की खबर नहीं है।

साथ रहने के आदेश का पालन न करने पर भी पति से गुजारा भत्ता पा सकती है पत्नी : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि एक महिला को अपने पति के साथ रहने के आदेश का पालन नहीं करने के बाद भी उस स्थिति में पति से भरण-पोषण का अधिकार दिया जा सकता है जब उसके पास साथ रहने से इनकार करने का वैध और पर्याप्त कारण हो। प्रधान न्यायाधीश संजय खन्ना और न्यायमूर्त संजय कुमार की पीठ ने इस सवाल पर कानूनी विवाद का निपटारा कर दिया कि क्या वैवाहिक अधिकारों की बहाली का आदेश रखने वाला पति महिला द्वारा साथ रहने के आदेश का पालन न किए जाने की स्थिति में कानून के आधार पर अपनी पत्नी को गुजारा भत्ता देने से मुक्त है। पीठ ने कहा कि इस संबंध में कोई सख्त नियम नहीं हो सकता और यह हमेशा मामले की परिस्थितियों पर निर्भर होना चाहिए। इसने कहा कि यह व्यक्तिगत मामले के तथ्यों पर निर्भर होगा और उपलब्ध सामग्री तथा सबूतों के आधार पर यह तय करना होगा कि

क्या साथ रहने के आदेश के बावजूद पत्नी के पास पति के साथ रहने से इनकार करने का वैध और पर्याप्त कारण है। न्यायालय ने कहा, 'इस संबंध में कोई सख्त नियम नहीं हो सकता और यह निश्चित रूप से प्रत्येक विशेष मामले में प्राप्त होने वाले विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों पर निर्भर होना चाहिए।' झारखंड के एक अलग रह रहे दंपति के मामले में दिया जिनका विवाद एक मई 2014 को हुआ था, लेकिन अगस्त 2015 में अलग हो गए। पति ने दाम्पत्य अधिकारों की बहाली के लिए पत्नी को पारिवारिक अदालत का रुख किया और दावा किया कि पत्नी ने 21 अगस्त 2015 को ससुराल छोड़ दिया और उसे वापस लाने के बार-बार प्रयासों के बावजूद वह वापस नहीं लौटी। उसकी पत्नी



उप्र : कन्जौज रेलवे स्टेशन पर निर्माणाधीन इमारत ढही, 20 से अधिक मजदूर घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नौज/भाषा। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में रेलवे स्टेशन पर शनिवार को अनुरा भारत उद्योग के तहत निर्माणाधीन दो मंजिला एक इमारत का लिफ्ट ढहने से मलबे में 20 से अधिक मजदूर दब गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। कन्नौज हादसे का संज्ञान लेते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है और घटना में मामूली रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये और गंभीर रूप से घायलों को ढाई लाख रुपये देने की घोषणा की है। पुलिस के मुताबिक मलबे में कई मजदूरों के दबे होने की आशंका है। इस घटना के बाद तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया और छह घायल मजदूरों को मलबे से बाहर निकाल कर उन्हें अस्पताल भेजा गया है। इस घटना में अब तक कुल 23 लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल से प्राप्त प्रारंभिक दृश्यों में अफरा-तफरी और भ्रम का माहौल दिखाई दे रहा था, जहां लोगों की भीड़, धूल और टूटी हुई बीम के बीच फंसे हुए लोगों को बचाने का प्रयास कर रही थी। बचाव प्रयासों की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने संवाददाताओं से कहा, इस हादसे में अब तक 23 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 20 लोगों को मामूली चोटें आई हैं और तीन को गंभीर चोटें आई हैं। घटनास्थल पर बचाव अभियान अभी भी जारी है और इसमें कुछ और समय लगेगा। मंत्री ने कहा कि जो इमारत ढही है, वह कन्नौज रेलवे स्टेशन का नया टर्मिनल है, जिसका निर्माण अमृत

जांच के लिए समिति गठित

योजना के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, बचाव अभियान पूरा होने के बाद घटना की गहन जांच की जाएगी। हादसे के बाद स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में भी भगदड़ मच गई। मौके पर अधिकारियों ने आकर जांच पड़ताल शुरू की और बचाव अभियान शुरू किया। इसके पहले कन्नौज के जिलाधिकारी शुभांत कुमार शुक्ल ने हादसे के बारे में कहा, 'प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब निर्माणाधीन इमारत की छत की शटलिंग गिर गई।' छत की शटलिंग एक अस्थायी संरचना है जो कंक्रिट को जमने के दौरान सहारा देती है। जिलाधिकारी ने कहा, 'हमारी पहली प्राथमिकता मलबे में फंसे हुए श्रमिकों को बचाना है। हम बचाव कार्यों के लिए अपने पास उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं।' बचाव अभियान की निगरानी के लिए शुक्ल अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि हादसे के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमों भी मौके पर पहुंचे घटनास्थल पर मौजूद लोगों से एक महेश कुमार ने बताया कि वह बाल-बाल बच गए। महेश ने कहा, 'जैसे ही शटलिंग पर कंक्रिट डाली गई, वह अचानक गिर गई। उस पर बैठे सभी लोग गिर गए। मैं किनारे पर खड़ा था और किसी तरह बच निकला।' घायलों को नजदीकी जिला अस्पताल और कानपुर के हैलट अस्पताल भेजा गया है। राहत और बचाव कार्य जारी हैं।

बीएसएफ ने मालदा जिले में बांग्लादेशियों के समूह के तस्करी की कोशिश को नाकाम किया

मालदा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शनिवार को कहा कि उसके जवानों ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में बांग्लादेशियों के एक समूह द्वारा तस्करी की कोशिश को विफल कर दिया। यह घटना बीएसएफ की दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 119वीं बटालियन के अंतर्गत सीमा चौकी नवादा पर सुबह करीब 2:10 बजे घटी। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ कर्मियों ने 15-20 हथियारबंद बांग्लादेशियों की हस्तगत देखी जो सीमा की ओर बढ़ रहे थे। बाड़ के भारतीय हिस्से में भी कई अन्य लोग देखे गए। बीएसएफ द्वारा चुनौती दिए जाने के बावजूद तस्कर बाड़ की ओर बढ़े। उन्होंने जवानों की नजर से बचने के लिए हाई-बीम टॉच का इस्तेमाल किया। बीएसएफ ने तस्करों को तितर-बितर करने के लिए शुरू में हवा में दो राउंड गोलियां चलाईं, लेकिन यह प्रयास अप्रभावी साबित हुआ। बीएसएफ के एक बयान में कहा गया, इसके बाद तस्करों ने जवानों पर धारदार हथियारों और लाठियों से हमला कर दिया।

जवानों ने बीएसएफ कर्मियों ने तस्करी के प्रयास को रोकने के लिए आत्मरक्षा में दो राउंड गोलियां चलाईं। शीघ्र ही अतिरिक्त बल आ गया, जिससे तस्कर भागने को मजबूर हो गए। इसके बाद इलाके की तलाशी में एक विशेष ब्रांड की कफ रिवर की 572 बोलतों, एक धारदार हथियार और एक हाई-बीम टॉच बरामद हुईं। बीएसएफ ने गोलीबारी में तस्करों के घायल होने की बात से इंकार नहीं किया है।

बिहार के पहले खेल विश्वविद्यालय को यूजीसी ने मान्यता दी

पटना/भाषा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नालंदा जिले के राजगीर में स्थित बिहार के पहले खेल विश्वविद्यालय को मान्यता दे दी है। मान्यता मिलने से अब यह विश्वविद्यालय यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 2 (एफ) के तहत यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित संस्थानों की सूची में शामिल हो गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले साल 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर राज्य की पहली खेल अकादमी व बिहार खेल विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया था, जो राजगीर में अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर का हिस्सा होगा। विधि द्वारा जारी बयान के अनुसार, 'बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर को यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 2 (एफ) के तहत यूजीसी से मान्यता मिल गई है। अब विधि को शैक्षणिक पाठ्यक्रम शुरू करने का अधिकार है, जिसमें शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में स्नातक और अन्य डिप्लोमा/पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम शामिल होंगे।' बयान में कहा गया है कि विश्वविद्यालय की मंशा अगले शैक्षणिक सत्र 2025-2026 से कई शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने की है। इसमें कहा गया है, 'इन कार्यक्रमों में शामिल हैं, दो या तीन खेलों में खेल कोचिंग में डिप्लोमा/पोर्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडी), योग में डिप्लोमा/पोर्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, चार वर्षीय शारीरिक शिक्षा में स्नातक (बीपीएड) (राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद से मान्यता के अधीन)।'



सपनों को पूरा करने के लिए युवाओं को विदेश जाने की जरूरत नहीं : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भैरत/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को यहां कहा कि आज युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं है। सिंह ने आईआईएमटी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में कोई भी काम छोटे मन से न करें, बल्कि मन बड़ा रखें क्योंकि मन बड़ा होगा तो सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। सिंह ने कहा, आज अगर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत कुछ बोलता है तो सारी दुनिया का ध्यान केवल उसी तरफ ही रहता है। हमारे देश के हीरो हमारे युवा हैं। कोरोना महामारी में हमने चुनौतियों को एक अवसर के रूप में देखा जिससे भारत स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनकर लगातार आगे बढ़ रहा है। दीक्षांत समारोह में राजनाथ सिंह का स्वागत आईआईएमटी विश्वविद्यालय के

कुलाधिपति योगेश मोहन गुप्ता, प्रति कुलाधिपति डॉ. मयंक अग्रवाल ने किया। राजनाथ सिंह ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता के लिए तीन पी यानि 'पेंशंस, पर्सिस्टेंस और प्रीजियंस' का मंत्र दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसके साथ ही अगर आप प्रतिभा है, दृढ़ इच्छाशक्ति है, स्पष्ट दृष्टि और कठिन परिश्रम करने की क्षमता है तो कोई भी आपको आगे बढ़ने से रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि अच्छे विचार के साथ आने वाले विद्यार्थियों के लिए संसाधनों और अवसरों की कमी नहीं है। रक्षा मंत्री ने कहा, आज सेना से जुड़े उपकरण भारत की धरती पर भारत के लोगों और वैज्ञानिकों द्वारा बनाए जा रहे हैं। हम उनका केवल उपयोग ही नहीं कर रहे हैं बल्कि दुनिया के दूसरे देशों को भी निर्यात करने का कार्य कर रहे हैं। एक लाख 30 हजार स्टार्टअप देश में काम कर रहे हैं। आज भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। सिंह ने समारोह में 25 मेधावियों को गोल्ड मेडल, प्रमाण-पत्र और उपार्थियां प्रदान कीं।

रानी रामपाल को उम्मीद, भविष्य के सितारों को तैयार करेगी महिला हॉकी लीग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। पूर्व कप्तान रानी रामपाल का मानना है कि महिला हॉकी इंडिया लीग (डब्ल्यूएचआईएल) खेल पर वैसा ही प्रभाव डाल सकती है जैसा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने क्रिकेट पर डाला है। रानी ने 12 से 26 जनवरी तक होने वाले पहले डब्ल्यूएचआईएल में चार टीमों दिल्ली एस्पोर्ट्स, ओडिशा वॉरियर्स, आरवी राउर बंगाल टाइगर्स और सूमा हॉकी क्लब भाग लेंगी। सूमा क्लब की मॅटर और कोच रानी ने साइ (भारतीय खेल

पुरुष हॉकी इंडिया लीग ने रख दी थी।' उन्होंने कहा, 'अब महिला एचआईएल की शुरुआत के लिए धन्यवाद। इससे 2032 और 2036 ओलंपिक में बहुत सारी प्रतिभाशाली युवा महिला खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा। यह मंच बेहद उपयोगी साबित होगा।' इस संदर्भ में महिला क्रिकेट का उदाहरण देते हुए रानी ने कहा, 'महिला क्रिकेट के बारे में कोई भी जवाब नहीं जानता था, लेकिन अब आप देख रहे हैं कि यह खेल देश में इतना लोकप्रिय कैसे हो गया है। महिला आईपीएल (डब्ल्यूपीएल) से लोगों को इसके बारे में पता चला और उन्होंने इसका अनुसरण करना शुरू कर दिया।'

विश्व चैम्पियन बनाने के लिये भारतीय शिक्षा व्यवस्था में 'खेल पहले' हो : भूटिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने देश की शिक्षा प्रणाली में बदलाव की मांग करते हुए कहा है कि भविष्य में विश्व चैम्पियन तैयार करने के लिये खेलोन्मुखी पाठ्यक्रम बनाया जाना जरूरी है। विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद और राष्ट्रीय युवा महोत्सव में



भूटिया ने इस पर चिंता जताई कि देश की मौजूदा शिक्षा नीतियों में खेलों को उतनी तरकीब नहीं दी गई है जिससे विश्व स्तरीय खिलाड़ी उत्तने नहीं निकल पा रहे। उन्होंने कार्यक्रम से इतर पीटीआई वीडियो से कहा, 'मेरा मानना है कि शिक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर ऐसी शिक्षा व्यवस्था बनानी चाहिये जो खेल नीतियों को बढ़ावा दे। उन्होंने कहा, 'हर बच्चे को डॉक्टर इंजीनियर बनने और पढाई में अच्छा करने के लिये कहा जाता है लेकिन खेलों के अनुकूल व्यवस्था

कहा, 'खेल मंत्री और शिक्षा मंत्री को मिलकर इस पर बात करनी चाहिये और यह सुनिश्चित करना चाहिये कि खेल पाठ्यक्रम के प्रमुख विषयों में से एक हो।' खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने महोत्सव का उद्घाटन किया। भूटिया ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अनुयायि में भारत सरकार ने विकसित भारत को लेकर यह अच्छी पहल की है और इस पर बात करके अच्छा लगा कि खेल देश को कैसे आगे ले जा सकते हैं।'

सुविचार
एक व्यक्ति चाहे तो दिने की रोशनी में भागवत पढ़ सकता है और दूसरा उसी के प्रकाश में जालसाजी कर रहा हो सकता है ; किन्तु इन सब से दिने को कोई फर्क नहीं पड़ता। सूर्य अपना प्रकाश दूर व्यक्ति और भले व्यक्ति दोनों को देता है।

द्वीप
डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। डॉ. मनमोहन सिंह जी के कार्यकाल में जब एक डॉलर की कीमत 58-59 रुपये थी, तब नरेंद्र मोदी जी रुपये की कीमत को सरकार की आबरू से जोड़ते थे।
-प्रियंका गांधा वाड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर समस्त देशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। सदियों के त्याग, तपस्या और संघर्ष से बना यह मंदिर हमारी संस्कृति और अध्यात्म की महान धरोहर है।
-नरेन्द्र मोदी

कहानी
अमृत राय
गहरी...काली...नीरव... निःस्तब्ध। केवल दूर पर कुत्तों के भूँकने की आवांज और कुछ गीदड़ों की। मनुष्य की आवांज तो गाने की एकाध कड़ी के रूप में कभी-कभी सुनाई पड़ जाती है, किसी विश्वासे के किसी रोमांटिक फिल्मी गाने की एक कड़ी; वरना सनाटा। पास के ही किसी घर से शहनाई का व्याकुल स्वर आ रहा है। शहनाई भी अजब बाजा है जो दुख-सुख दोनों में समान रूप से आदमी का साथ देता है। आज न जाने क्यों सुरेश्वर...

व्यथा का सरगम
अकेले ही अपनी व्यथाओं का पर्वत ढोना है। उसकी मुखश्री तुहिनरनात मटर के धूल के समान है, उसके कपड़े हिम के सदृश धूल हैं। पर उसकी मुखमुद्रा को जैसे किसी गहरी उदासी का धुआं लग गया हो।
...शहनाई के स्वर को इस मानव-चित्र में बदलकर सुरेश्वर उसी को देखता हुआ खोया-सा, उगा-सा बैठा था। हवात जैसे किसी ने उसके कन्धे पकड़कर उसे झझोड़ा और होश में ला दिया। और तब उसे पता चला कि वह अपने-आपको छल रहा था। जो मानस-चित्र उसकी आँखों के आगे आ रहा है वह शहनाई के स्वर का चित्र नहीं है, मांस-पत्रा की एक वास्तविक तरुणी का चित्र है जिसे उसने आज ही शरणाधीनों की गाड़ी से उतरते देखा है। वह हजारा जिले की एक सीमान्तदेशीय हिन्दू पठान तरुणी का चित्र है...जब शहनाई ने किसी

तरह चमकीले किसी पत्थर में गोया हँसी बीच में ही रुक गयी थी, मुँह खुला का खुला ही रह गया था।
बारक के पास ही कुएँ था। कुएँ के पास ही एक कोठरी-सी थी। पता नहीं, लड़ाई के दिनों में वह किस काम में आती थी, अब तो वह खाली पड़ी रहती है, लड़के दिन के वंफत उसमें लुकते-छिपते हैं।
आज शाम के साढ़े सात बजे उसमें अचानक बड़ी जान आ गयी थी। बन्ने पानी भरने गयी तो थोड़ी दूर पर ही उस कोठरी से उसे जिन्होंने उसकी नादान जिन्दगी को भी चारों तरफ से डर की रस्सियों से कस दिया था।
यहाँ इसी नई दुनिया में उस शाम को सुरेश्वर ने उस व्यथा-सुन्दरी को हलके-हलके रोटी सेंकते देखा था...

संजय उवाच
संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com
किमाश्चर्यमतः परम् !
ख रहा हूँ कि एक चिड़िया दाना चुग रही है। एक दाना चोंच में लेने से पहले चारों तरफ चौकन्ना होकर देखती है, कहीं किसी शिकारी के वेश में काल तो घात लगाये नहीं बैठे। हर दाना चुगने से पहले, हर बार न्यूनाधिक यही प्रक्रिया अपनाती है। माना जाता है कि पशु-पक्षी बुद्धि तत्व में विपन्न हैं पर जीवन के सत्य को सरलता से स्वीकार करने की दृष्टि से वे सम्पन्न हैं। मनुष्य में बुद्धितत्व विपुल है पर सरल को जटिल करना, भ्रम में रहना, मनुष्य के स्वभाव में प्रचुर है।
मनुष्य की इसी असांगति को लेकर यक्ष ने युधिष्ठिर से प्रश्न किया था, दिने दिने हि भूतानि प्रविशन्ति यमालयम्।
शेषाश्चावर्षिच्छन्ति किमाश्चर्यमतः परम्।।
अर्थात् प्रतिदिन ही प्राणी यम के घर में प्रवेश करते हैं, तब भी शेष प्राणी अनन्त काल तक यहाँ बने रहने की इच्छा करते हैं। क्या इससे बड़ा कोई आश्चर्य है? युधिष्ठिर ने प्रश्न में ही उत्तर ढूँढकर कहा था, अहञ्चहनि भूतानि गच्छन्तीह यमालयम्।
शेषाः स्वर्वावर्षिच्छन्ति किमाश्चर्यमतः परम् ।।
अर्थात् प्रतिदिन ही प्राणी यम के घर में प्रवेश करते हैं, तब भी शेष प्राणी अनन्त काल तक यहाँ बने रहने की इच्छा करते हैं। क्या इससे बड़ा कोई आश्चर्य हो सकता है? सचमुच इससे बड़ा आश्चर्य क्या हो सकता है कि लोग रोज मरते हैं पर ऐसे जीते हैं जैसे कभी मरेंगे ही नहीं। हास्यास्पद है कि पर मनुष्य चोर-डाकू से डरता है, खिड़की-दरवाजे मजबूत रखता है पर किसी अवरोध के बिना कहीं से किसी भी समय आ सकनेवाली मृत्यु को भूला रहता है।
संभवतः इसका कारण जंग लाना है। जैसे लम्बे समय एक स्थान पर पड़े लोहे में घातावरण की नमी से जंग लग जाती है, वैसे ही जगत में रहते हुए मनुष्य की बुद्धि पर अहंकार की परत चढ़ जाती है। सामान्य मनुष्य की तो छोड़िए, अपने उत्तर से यक्ष को निरुत्तर करनेवाले धर्मराज युधिष्ठिर भी इसी जंग का शिकार बने। हुआ यूँ कि महाराज युधिष्ठिर राज्य के विद्यार्थ पर मंत्री से गहन विचार-विमर्श कर रहे थे। तभी अपनी शिकायत लेकर एक निर्धन ब्राह्मण वहाँ पहुँचा। कुछ असामाजिक तत्वों ने उसकी गाय छीन ली थी। यह गाय उसके परिवार की उदरपूर्ति का मुख्य स्रोत थी।
महाराज ने उससे प्रतीक्षा करने के लिए कहा। अभी मंत्री से चर्चा पूरी हुई भी नहीं थी कि किसी देश का दूत आ पहुँचा। फिर नागरी समस्याओं को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल आ गया। तत्पश्चात् सेना से सम्बंधित किसी नीतिविषयक निर्णय के लिए राज्य के सेनापति, महाराज से मिलने आ गए। दरबार के काम पूरे कर महाराज विश्राम के लिए निकले तो निर्धन को प्रतीक्षात पाया। उसे देखकर धर्मराज बोले, आपको न्याय मिलेगा पर आज मैं थक चुका हूँ। आप कल सुबह आइएगा। निराश ब्राह्मण लौट पड़ा। अभी वापसी के लिए चरण उठाये ही थे कि सामने से भीम आते दिखाई दिए। सारा प्रश्न जानने के बाद भीम ने ब्राह्मण से प्रतीक्षा करने के लिए कहा। तदुपरांत भीम ने सैनिकों से युद्ध में विजयी होने पर बजाये जानेवाले नगाड़े बजाने के लिए कहा। उस समय राज्य की सेना कहीं किसी तरह का कोई युद्ध नहीं लड़ रही थी। अतः नगाड़ों की आवांज से आश्चर्यचकित महाराज युधिष्ठिर ने भीम से इसका कारण जानना चाहा। भीम ने उत्तर दिया, महाराज युधिष्ठिर ने एक नाताधिक को उसकी समस्या के समाधान के लिए कल आने के लिए कहा है। इससे सिद्ध होता है कि महाराज ने जीवन की क्षणभंगुरता को परास्त कर दिया है तथा काल पर विजय प्राप्त कर ली है।
महाराज युधिष्ठिर को अपनी भूल का ज्ञान हुआ। ब्राह्मण को तुरंत न्याय मिला। हर क्षण मृत्यु का भान रखने का अर्थ जीवन से विमुखता नहीं अपितु हर क्षण में जीवन जीने की समग्रता है। अपनी कविता 'चौकन्ना' स्मरण हो आती है-



बन्ने को लगा कि जैसे वह एक बड़े आईने के सामने हो। जो लड़की जमीन पर मादरजाद नंगी, चित लेटी है वो वही है, बन्ने, उसी को आधी दर्जन बाँहें जमीन से चिपकाये हुए हैं और मेड़ियों जैसी मूखी-मूखी ये आँखें वही हैं जो पहले भी उसे यों ही घूर चुकी हैं...
'कौन है, कौन है, यहाँ एया हो रहा है?' चिल्लाती हुई वह खंजर हाथ में लिए तेजी से कोठरी में दाँखिल हुई। अन्दर खलबली मच गयी। एक-दो ने पहले भागने की कोशिश की, मगर फिर सबने यही तय किया कि देखना चाहिए मांजरा एया है, हमारे काम में खलल डालनेवाला यह कौन-सा शैतान जमीन पर उतर आया।

बन्ने ने देखा कि चार-पाँच आदमियों ने एक नौजवान लड़की को जमीन पर दाब रखा है, लड़की चित लेटी हुई है या लिटायी हुई है, उसके तन पर एक भी कपड़ा नहीं है, दो-तीन जवान उसके हाथ-पैर कसे हुए हैं और वह मादरजाद नंगी लड़की छटपटा रही है...
कुछ खास जोशीले 'शरणाधी' नौजवानों के एक गिरोह ने आज शिकार किया था। उनका खून भी खून है, पानी नहीं, उन्हें बदला लेना आता है, वह अपनी जिज्ञात का बदला लेगे, अपने धर्म की किसी लड़की की लुटी हुई अस्मत् का बदला वो दुश्मन की लड़की की अस्मत् लूटकर चुकाएँ।
पास के एक गाँव से पाँच-छः नौजवान कुछ चोरी और कुछ सीना-जोरी (यानी एक-दो आदमियों को घायल करके) एक लड़की को उठा लाये थे और इस वंफत बारी-बारी से उसकी अस्मत् लूटकर न सिर्फ अपने वहशीपन को खुराक पहुँचा रहे थे बल्कि उसके साथ-ही-साथ अपनी कौम की खिदमत भी कर रहे थे।
एक लम्हे को जो दियासलाई जली थी उसमें बन्ने ने इन कौम के खादियों को अपने कर्तव्य में रत देख लिया।
उसे बात समझने में जरा भी देर नहीं लगी। एक तो स्थिति यों ही दियासलाई की लाल-सी रोशनी में इनसान की हैवानियत की तरह स्पष्ट थी, दूसरे बन्ने...उसे भी एया कुछ बतलाने की जरूरत थी। वह जो कि खुद ऐसे ही एक नाटक की नायिका रह चुकी थी!

सोने की / ठक-ठक / के बीच कभी-कभार / सुनता हूँ मृत्यु की भी / खट-खट, ठक-ठक... / खट-खट... कान अब / चौकन्ना हुए हैं अन्यथा / ठक-ठक और / खट-खट तो / जन्म से ही / चल रही हैं साथ / और अनवरत... आदमी यदि / निरंतर / सुनता रहे / ठक-ठक / खट-खट / साथ-साथ, बहुत संभव है / उसकी सोच / निखर जाए, खट-खट तक / पहुँचने से पहले ठक-ठक / संवर जाए...!

रोम-रोम जैसे काँप उठा और उसे लगा मानो अनेक पतझर और शिशिर बजानेवाले की अस्थि और मज्जा में जाकर बस गये हों।
सुरेश्वर रेलवे के एक आफिस में क्लर्क है। रेलों की घड़घड़ाहट और फाइलों की थकान को अपनी बीन के स्वरों में बाँधकर उसने उन्हें नया ही रूप दे दिया है। दिन-भर की दौड़-धूप के बाद रात को यही उसकी शान्ति का निर्रंज है, यही उसका सहारा है, कवच है, मानो यह न हो तो दपत्तर की फाइलें उसे खा जाएँगी। रात को अपना कमरा बन्द करके (जिसमें पड़ोसियों की नींद न खराब हो!) वह अकसर बड़ी देर तक बजाता रहता है। रात को इन घड़ियों का एकान्त उसे बहुत प्रिय है। वह चाहता है कि जल्दी ही सो जाए जिसमें दूसरे रोज तक अपनी बीन में खोया रहता है और समझता रहता है कि किसी बिन्दु पर पहुँचकर घड़ी की सुइयाँ अचल हो गयी हैं।।।।
सो, आज न जाने क्यों सुरेश्वर का मन उदास है। शहनाई का वह पतला स्वर खंजर की तरह उसके दिल के अन्दर उतरता चला जा रहा है। एक अजीब-सी वेदना, एक अजीब-सा दर्द उसे अपने अन्दर समो रहा है। उसकी बीन आज खामोश है। आज तो वह बस सुन रहा है। शहनाई के स्वर की वह बंकिम करार उसके अन्दर उतरती ही चली जा रही है। सुरेश्वर जानना चाहता है कि अपने उतार और चढ़ाव में वह उससे क्या कहना चाहती है, पीड़ा की वह कौन-सी अतल गहराई है जिसे छू लेने का उसने संकल्प किया है। शहनाई का स्वर उसके गहरे से गहरे मन में एक अत्यन्त सुन्दरी पार्वत्य युवती का आकार ग्रहण कर रहा है। यह युवती किसी क्रूर दैत्य द्वारा शापित है, उसका सखा खो गया है, उसके परिजनो ने उसे छोड़ दिया है और उसे

भयानक दर्द को अपने स्वरों में बाँधने की कोशिश की तो वह व्यथा-सुन्दरी आपसे-आप उसकी आँखों के आगे आ गयी, समुद्र के फेन से निकलती हुई वीनस के समान...
...हाँ, सचमुच वीनस...उर्वशी...तक्षशिला की सुन्दरी...सरो के पेड़ की-सी सुघड़ लम्बाई, स्वस्थ यौवन से भरपूर छहटा शरीर, सीमांत के कागजी बादाम जैसी ही आँखें, चन्दन-सा गौर, सुसंस्कृत मुखमंडल, लम्बी-सी वेणी। मगर सबके ऊपर अंगराग के स्थान पर उदासी का एक गहरा लेप जो चेहरे के भाव को आमूल बदल देता है। उसे देखकर कोई उच्छृंखल भाव जैसे पास पर भी नहीं मार सकता; देखने के साथ ही उसे लगाता देखते रहने की इच्छा होती है, एकटक, मगर उसके साथ ही साथ पूरे वक्त जैसे कोई भीतर बैठा एक बड़ी तकलीफदेह कड़ी गुन-गुनाता रहता है...
सुरेश्वर ने आज ही तो उनके रहने की जगह देखी। धन्य भाग जो दूसरा महायुद्ध हुआ, वरना न लड़ाई होती, न मिलिटरी की बारके बनतीं और न आज मनुष्य की पशुता से भागकर शरण माँगनेवालों को टिकने का कहीं कोई ठिकाना होता! शरणाधीनों को ये बनी-बनायी बारके यों मिल गयी गोया इन्हीं के लिए बनाई गयी हों। इन्हीं बारकों में अपने घरबार, खेती-किसानी, दुकानदारी से उखड़े हुए लोग अपना सारा सामान लिये-दिये पड़े थे। टीन के बड़े बक्स, मिञ्जोले बक्स, छोटे बक्स, खाटों के पाये-पाटियाँ, सुतली या बाध, सब अलग-अलग मोड़कर रखी हुई; चटाइयाँ, एकाध बाल्टी, लोटा, थाली, कनस्तरकिसी-किसी के पास अपना हुएका भी। यही उनकी सारी गिरस्ती थी। इसी गिरस्ती के धिरे-बंधे वे इस नई दुनिया में अपने लिए जगह बना रहे थे। बीविया कुएँ से

की दया की थोथी भुस-भुसी नींव पर आधारित थी। सुरेश्वर के यह पूछने पर कि उन्हें यहाँ कैसा लगता है, जिला हजारा की रहनेवाली उस व्यथा-सुन्दरी बन्ने के पड़ोसी उस अथेड़ आदमी ने जो बात कही थी वह सुरेश्वर को भूलती नहीं 'किसी की भीख के टुकड़े पर जिन्दगी रहने से ज्यादा लानत की बात दूसरी नहीं होती, बाबूजी! उसी से सुरेश्वर को यह भी पता लगा था कि बन्ने की शादी हाल ही में हुई थी, उसी गाँव में, जब कि मारकाट शुरू हुई। उसके आदमी को कातिलों ने नेजा भोंकर मार डाला और इसे उठाकर ले गये। फिर बन्ने ने यहाँ क्या देखा और कैसे एक रात जान पर खेलकर वह भाग निकली और छुपते-छुपते दूसरे भागनेवालों के संग जा मिली, इसकी एक काफ़ी साहसिक कहानी थी।
वह अथेड़ आदमी जब शाम के बुँधलके में एक छोटी-सी चारपाई पर बैठा वह किरसा सुना रहा था, उस वक्त उसकी नायिका बन्ने इतने भयानक अनुभवों, पीड़ाओं और साहस को अपने उस नाजुक शरीर में समेटे खामोशी के संग रोटियाँ सेंक रही थी। उसी खामोशी से अपनी तकलीफों को सहते-सहते वह कुछ-कुछ विक्षिप्त-सी हो गयी थी, बोलने या हँसने में भी अब शायद उसे तकलीफ होती थी। उस दुनिया की तमाम और चीजों के संग जिनमें उसकी असमत और उसका पहरेदार भी था, उसका बोलना और हँसना भी जलकर राख हो गया था। पाँच हंजार या पचास हंजार साल पहले आये भूडोल में उसकी जिन्दगी के बिना पलस्तर के, टूट्टे हुए मकान में (अभी उसकी शादी को हुए ही के दिन हुए थे!) उसकी उमंगों के पंछी भी जहाँ-तहाँ मरे पड़े थे; जो कभी सर्द लाशें थीं वही अब ठठरियाँ हो गयी थीं और शीशे की

एक बार की बात है। एक जंगल में एक पेड़ पर चींटी नीचे उतर रही थी तभी वह पेड़ से नीचे सीधे फिसल कर तालाब में गिर गई। उसे चींटी को गिरते हुए उस पेड़ पर रहने वाले कबूतर ने देख लिया। चींटी तालाब में गिरने के बाद बचने के लिए बहुत हाथ पैर मारने लगी। कबूतर ने चींटी की मदद करने के लिए पेड़ पर से एक पत्ता तोड़कर पानी में फेंक दिया। चींटी उस पत्ते पर चढ़कर आराम से तैरती हुई किनारे तक आ गई। उसने कबूतर का बहुत-बहुत धन्यवाद किया। इसी तरह समय बितता गया और एक दिन उस जंगल में पक्षियों को पकड़ने वाला एक शिकारी आया। शिकारी ने पेड़ पर बैठे उस कबूतर को देख लिया। उसने कबूतर को पकड़ने के लिए जमीन पर कुछ दाने फेंके और दानों के ऊपर अपना जाल बिछा दिया।
शिकारी को ऐसा करते हुए चींटी ने उसे देख लिया। जैसे ही कबूतर दाना खाने के लिए पेड़ से नीचे उतरा चींटी ने जल्दी से जाकर शिकारी के पैर पर जोर से काट लिया। चींटी के काटने से शिकारी जोर से चिल्लाया। शिकारी के चिल्लाने की आवांज सुनकर कबूतर सतर्क हो गया और वह दूसरी दिशा में उड़ गया। इस तरह चींटी ने कबूतर की जान शिकारी से बचा ली।

वीर गाथा
कैप्टन उपमन्यु सिंह: हर मोर्चे पर हमेशा रहे आगे, हर चुनौती को स्वीकार किया
कैप्टन उपमन्यु सिंह का जन्म 8 फरवरी, 1982 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था। वे बचपन से ही बहुत साहसी थे। उन्होंने अपनी शिक्षा ग्वालियर से प्राप्त की और साल 2005 में संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा पास की थी।
उपमन्यु को आर्मर्ड कोर में नियुक्त किया गया था। उन्हें अपनी पहली नियुक्ति पठानकोट में मिली थी। इसके बाद उन्हें जम्मू-कश्मीर भेज दिया गया, जहाँ पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की जा रही थी। वहाँ उपमन्यु ने अत्यंत वीरता का प्रदर्शन किया था। कैप्टन उपमन्यु की सैन्य क्षमताओं को देखते हुए उन्हें 22 आरआर में नियुक्त किया

गया, जिसे जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने में जबर्दस्त महारत हासिल है। वहाँ भी उपमन्यु हर मोर्चे पर हमेशा आगे रहे और हर चुनौती को स्वीकार किया।
कैप्टन उपमन्यु दिसंबर 2010 में अपनी युनिट के साथ बरामूला जिले के सोपोर में तैनात थे। सात दिसंबर को युनिट को खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि सोपोर के मांडल टाउन इलाके में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। सेना के उच्चाधिकारियों ने सूचना का विश्लेषण करने के बाद उपमन्यु को जिम्मेदारी सौंपी कि वे ऑपरेशन में नेतृत्व करें।
कैप्टन उपमन्यु के नेतृत्व में साथी जवान उस इलाके में पहुंच गए और घेराबंदी शुरू कर

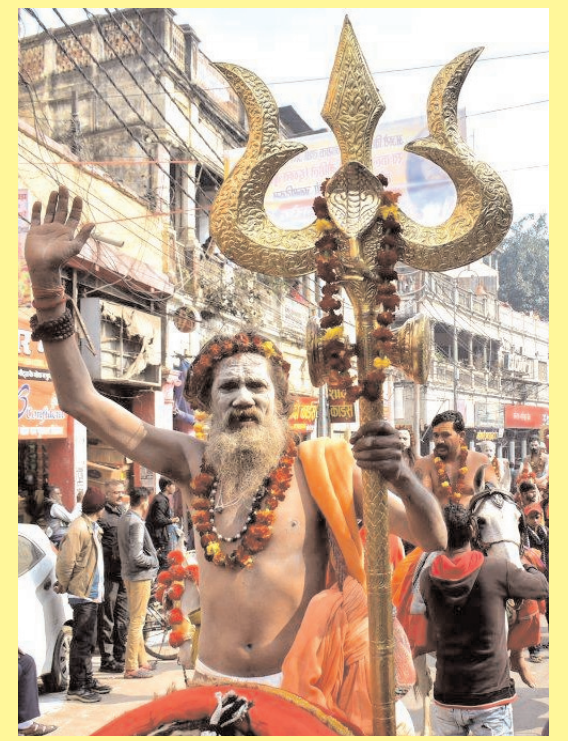
दी थी। उस दौरान पता चला कि आतंकवादियों ने एक मकान में अपना ठिकाना बना रखा है। उपमन्यु ने आगे बढ़कर आतंकवादियों पर धावा बोला। उन्होंने अपने साथियों की सुरक्षा का खास ध्यान रखा और आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए थे।
इसके बावजूद उन्होंने अपने जवानों को आदेश देना जारी रखा। उस ऑपरेशन में सभी आतंकवादियों का खात्मा कर दिया गया, लेकिन उपमन्यु भारत मां के लिए बलिदान हो गए। एक वीर योद्धा, शानदार नेतृत्वकर्ता और दृढ़ विश्ववी अधिकारी कैप्टन उपमन्यु सिंह को सेना मेडल से सम्मानित किया गया।



पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (बैंकाधिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सनायती इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिपत्तया या पत्राचार का व्यव करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में सम्पन्न जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उदासीन की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दवाओं के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दवा नहीं नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संवादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकका को पाठक किसी भी रूप में उत्तरवादी नहीं बना सकता।
- दक्षिण भारत राष्ट्रमत



प्रयागराज में आनंद अखाड़े के साधु महाकुंभ मेला 2025 के लिए 'छावनी प्रवेश' धार्मिक जुलूस में भाग लेते हुए। प्रयागराज में शनिवार को गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम की ओर उनके औपचारिक प्रवेश को चिह्नित करता है।



अयोध्या में राममंदिर में प्राणप्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर बड़ी संख्या में जुटे श्रद्धालु

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर पूरे श्रद्धालु इस पवित्र नगरी आ रहे हैं और उनमें इसको लेकर काफी उत्साह है। तीन दिवसीय समारोह शनिवार को आयुर्वेद

हजारों लोग निकटवर्ती एवं दूर-दूर से शहर में आ चुके हैं, तथा 11 से 13 जनवरी के बीच तीन दिनों तक आयोजित सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों को

राममंदिर के मुख्य पुजारी सचेंद्र भीड़ भगवान राम के प्रति अपार आस्था विभिन्न वर्गों के लोग भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अत्यंत प्रसन्न हैं। वे भगवान रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पूरे उत्साह के साथ मना रहे हैं। यहां पूरी तरह से हर्षोल्लास का माहौल है।

अयोध्या के मेयर को सांभार्यशाली फहसूस, औसतन प्रतिदिन 1.5 लाख लोग आ रहे हैं



और इन तीन दिनों, यहां आ रहे लोगों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है।

संपर्क मंजिल पूरी हो गई है। मंदिर के शिखर पर काम जारी है और वह भी लगभग है।

मिश्रा ने कहा, 'मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उनकी भक्ति को ने भगवान रामलला के दर्शन किए हैं। आज माहौल में उत्साह है।'

अयोध्या में तुलसी उद्यान के पास रहने वाले रजत सिंह बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा, 'हर साल हम अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों की सालगिरह मनाते हैं। मुझे लगता है बश्र प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। यह दिन मेरे और परिवार के सदस्यों के लिए एक विशेष दिन है, क्योंकि हमने खुशी से 'प्राण प्रतिष्ठा' लखनऊ स्थित महापुरुष

स्मृति संस्थान के प्रमुख भरत सिंह ने कहा, 'यह निश्चित रूप से एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि भगवान रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को एक वर्ष पूरा हो गया है। भगवान राम फैले करोड़ों भक्तों के लिए आशा और आस्था के प्रतीक हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का नाम लेने से लोगों को अपार शांति, संतुष्टि और शक्ति मिलती है और आने वाली पीढ़ियों भी ऐसा करती

रहेगी।'

में उन लोगों को शामिल करने का लक्ष्य है जो पिछले साल ऐतिहासिक समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे, साथ ही, करीब 110 आमंत्रित वीआईपी भी इसमें शामिल होंगे।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने पहले कहा था, 'ट्रस्ट ने आम लोगों को आमंत्रित करने का फैसला किया है जो पिछले साल प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे। उन्हें अंगद टीला में तीनों दिन के कार्यक्रमों, शामिल होने की अनुमति दी जाएगी।'

ट्रस्ट ने कहा कि 110 वीआईपी समेत मेहमानों को निमंत्रण पत्र दिए गए हैं, जो 22 जनवरी, 2024 को मूल प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे। राय ने पहले कहा था, 'जो लोग पिछले साल शामिल नहीं हो पाए थे, उन्हें इस वर्षगांठ समारोह में शामिल किया जाएगा।'

शरीर साथ देगा, तो मैं काम करूंगी : हिना खान

मुंबई/एजेन्सी

रस्तन कैंसर से जूझ रही टेलीविजन अभिनेत्री हिना खान का कहना है कि 2024 और 2025 के बीच सिर्फ इतना फर्क आया कि वह पहले से ज्यादा मजबूत हो गई हैं। हिना ने जुलाई 2024 में सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर तीसरे चरण के कैंसर से पीड़ित होने की जानकारी दी थी। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' और 'कसौटी जिंदगी की-2' जैसे धारावाहिक से लोकप्रिय हुई 37 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि खुद को सामान्य रखने के लिए वह उपचार के दौरान भी पेशेवर रूप से सक्रिय रही। 'पीटीआई-वीडियो' को दिए साक्षात्कार में हिना ने कहा, मैं अब भी वही हिना हूँ। पुरानी हिना को साहसी और मजबूत थी और यह हिना भी बेहद मजबूत और साहसी है। वास्तव में, मैं और मजबूत हो गई हूँ। उन्होंने कहा, इस पूरे साल के दौरान मैं काम करती रही। मैंने इसे (कैंसर के निदान) सामान्य मानने और खुद को सामान्य महसूस कराने



पर ध्यान दिया। अपनी कीमती (कैंसर के उपचार की प्रक्रिया) शुरू करने के बाद से ही मैं काम कर रही थी, शूटिंग में व्यस्त थीं, घूमने-फिरने जा रही थी और डबिंग पूरी कर रही थी। मैंने 'पैप वॉक' किया... मैंने अपना उपचार पूरा किया और यहां (साक्षात्कार के लिए) आई। अगर मेरा शरीर साथ देता है, तो मैं (काम) करूंगी। खान ने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रशंसकों और अन्य से जो प्यार और सहयोग मिला, उसका आधार व्यक्त करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। अभिनेत्री जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'गृह लक्ष्मी' में नजर आएंगी।



'द रोशंस' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

डॉक्यूमेंट्री-सीरीज 'द रोशंस' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। 'द रोशंस' में रोशन परिवार की सिनेमा यात्रा के बारे में नई जानकारी दी जाएगी। यह सीरीज रोशन परिवार की तीन पीढ़ियों के योगदान और उनके सिनेमा के प्रति समर्पण को लोगों तक पहुंचाने का काम करेगी। 'द रोशंस' में रोशन उनके पुत्र राकेश रोशन और राजेश रोशन और पोते ऋतिक रोशन की जर्नी को दिखाया जायेगा। 'द

रोशंस' ट्रेलर की शुरुआत रोशन लाल नागरथ के बनाए बेहतरीन क्लासिक्स गीतों से होती है। रोशन के पोते ऋतिक रोशन अपने दादा जी गीत सुनते हुए, उनको याद करते हैं। ट्रेलर में ऋतिक बताते हैं कि रोशन सरनेम से पहले उनका कुछ और सरनेम था। ऋतिक बोलते हैं कि उनके दादा जी का नाम था रोशन लाल नागरथ। ये बहुत ही इंस्ट्रिगेंट स्टोरी है कैसे हमारा सरनेम नागरथ से रोशन बना। रोशन परिवार के बारे में इस सीरीज

में कई बॉलीवुड सितारे अपने मन के भाव साझा करते हुए नजर आए। इनमें आशा भोंसले, शत्रुघ्न सिन्हा, जावेद अख्तर, प्रेम चोपड़ा, अनिल कपूर, संजय लीला भंसाली, शाहरुख खान, अनु मलिक, सोनू निगम, प्रियंका चोपड़ा, अभिषेक बघन, रणबीर कपूर समेत अन्य शामिल हैं। शशि रंजन निर्देशित-सह निर्मित और राकेश रोशन निर्मित प्रोड्यूस डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'द रोशंस' का 17 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगा।

मैं ट्रंप को हरा देता लेकिन पार्टी की एकजुटता की खातिर पीछे हटा: बाइडन

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि वह नवंबर में हुए आम चुनावों में ट्रंप को हरा देते लेकिन उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की एकजुटता की खातिर चुनाव के बीच उम्मीदवारी वापस लेने का फैसला किया। बाइडन से शुक्रवार को यहां व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में पूछा गया,

राष्ट्रपति महोदय, क्या आपको चुनाव न लड़ने के अपने फैसले पर खेद है? क्या आपको लगता है कि आपने अपने पूर्ववर्ती (ट्रंप) को अपना उत्तराधिकारी बनने का आसान मौका दिया? इसपर बाइडन ने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगता है कि मैं ट्रंप को हरा देता, हरा सकता था। मुझे लगता है कि कमला (हैरिस) ट्रंप

को हरा सकती थीं।' उन्होंने कहा, पार्टी को एकजुट करना महत्वपूर्ण है और जब पार्टी इस बात को लेकर चिंतित थी कि मैं आगे बढ़ पाऊंगा या नहीं, तो मैंने सोचा कि पार्टी को एकजुट करना बेहतर होगा। जून में अटलांटा में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच हुई 'डिबेट' में बाइडन का प्रदर्शन कुछ खास नहीं था।

'पावर ऑफ पांच' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले बनी एकता आर कपूर निर्मित, सीरीज पावर ऑफ पांच का ट्रेलर रिलीज हो गया है। पंचगिरी की पृष्ठभूमि पर आधारित, पावर ऑफ पांच बेला (श्रीवा अरोड़ा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक छोटी लड़की है, जो अपनी अलग हो चुकी मां की तलाश में उसे अनदेखे जादू और चौकाने वाले टकरावों के दायरे में ले जाती है, जिसमें अलौकिक तत्व भी शामिल हैं। पावर ऑफ पांच में श्रीवा अरोड़ा, आदित्य राज अरोड़ा, जयवीर जुनेजा, बियांका अरोड़ा, यश सहगल, उर्वशी डोलकिया, बरखा बिष्ट, तन्वी गडकरी, अनुभा अरोड़ा, उमर कंधारी, सागर डोलकिया, पंकज विष्णु और इंदर बाजवा जैसे कलाकार शामिल हैं। यह सीरीज 17 जनवरी, 2025



से केवल डिज्नी+ हॉटस्टार पर रट्रीम होगी। उर्वशी डोलकिया ने कहा, एकता के साथ काम करना हमेशा खुशी की बात होती है, जिनके साथ मेरा एक पुराना और खास जुड़ाव है। उनके पास ऐसे किरदार बनाने की एक सहज क्षमता है जो भरोसेमंद होने के साथ-साथ प्रभावशाली भी हैं, और पावर ऑफ

पांच में मेरी भूमिका कोई अपवाद नहीं है। एक कलाकार के रूप में, मैंने हमेशा मजबूत और विविध पात्रों को आवाज देने में विश्वास किया है।

बरखा बिष्ट ने कहा, पावर ऑफ पांच का हिस्सा बनना एक अविकसनीय यात्रा रही है। यह शो उन विषयों की खोज करता है जो सभी के साथ गहराई से जुड़ते हैं। यह एक ऐसी कहानी है जो रोमांच, भावनाओं और रिश्तों को इतनी खूबसूरती से मिलाती है कि मैं इसमें गोता लगाने का इंतजार नहीं कर सकती थी। इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना सेट पर हर पल को वाकई खास बनाता है। एक टीम के रूप में, हम बस उम्मीद करते हैं कि हम डिज्नी+ हॉटस्टार जैसे प्लेटफॉर्म के समर्थन से बड़े दर्शकों से जुड़ सकें। यश सहगल ने कहा, एक युवा अभिनेता के रूप में, पावर ऑफ पांच का हिस्सा बनना एक

सपने के सच होने जैसा है। शो ने मुझे अविकसनीय गहराई और चुनौतियों वाले किरदार को तलाशने का मौका दिया और इसने मुझे व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मैं दर्शकों को इस अनोखी कहानी का अनुभव कराने के लिए बेहद उत्साहित हूँ जो एक्शन, इमोशन और दिल से भरी हुई है।

श्रीवा अरोड़ा ने कहा, सुपरपावर वाले ऐसे किरदार को निभाना हमेशा से मेरे दिमाग में था, जो खुद से भी जुड़ा हुआ हो। यह एक ऐसा शो है जो न केवल मनोरंजन करेगा बल्कि दर्शकों को उनके रिश्तों, दोस्ती और आंतरिक शक्ति पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे उम्मीद है कि पावर ऑफ पांच दर्शकों के साथ उससे भी ज्यादा समय तक रहेगा, जितना हमने कभी सोचा भी नहीं था।

फौजी तथा शिक्षिका के फर्ज और जिम्मेदारी पर आधारित फिल्म 'अक्षरा' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की सुपरस्टार अभिनेत्री अक्षरा सिंह की देशभक्ति से परिपूर्ण भोजपुरी फिल्म 'अक्षरा' रिलीज हो गयी है। फिल्म अक्षरा को वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। फौजी तथा शिक्षिका के फर्ज और जिम्मेदारी पर आधारित फिल्म 'अक्षरा' में केंद्रीय भूमिका में जहां शिक्षिका के रूप में अक्षरा सिंह साक्षरता अभियान को बढ़ावा देती है तो वहीं देश की रक्षा में तैनात फौजी के रूप में अंशुमान मिश्रा देश के प्रति हर नागरिक के फर्ज और समर्पण को बल देते हैं। इस फिल्म में अक्षरा सिंह ने एक ऐसी शिक्षिका का किरदार निभाया है, जो सरकारी स्कूल में हर बच्चों

को साक्षर और निर्भर बनाने का काम कर रही है तो वहीं आसामाजिक तत्वों को मुहताब जवाब देते हुए लेडी सिंघम की तरह जवाबदार फाइट भी करती है और दुश्मनों के दांत खड़े कर देती हैं। वर्ल्डवाइड चैनल और सबरंग फिल्म प्रोडक्शंस प्रस्तुत फिल्म 'अक्षरा' के निर्माता कुलदीप श्रीवास्तव, रत्नाकर कुमार हैं। निर्देशक देव पांडेय हैं। लेखक राकेश त्रिपाठी हैं। इस फिल्म में अक्षरा सिंह, अंशुमान मिश्रा, धानी गुप्ता, विनोद मिश्रा, अनुप अरोरा, विनीत विशाल, जे.नीलम, मटरु, बीना पांडेय, शुभकिशन शुक्ला, प्रतिभा साहू, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, सीपी भट्ट, संजीव मिश्रा, अखिलेश शुक्ला, संजू सोलंकी, रिंकी शुक्ला, आर.नरेंद्र,

आर्यन विष्णुकर्मा, कानू मुखर्जी, सोनू सनम माही, कन्हैया एस.विष्णुकर्मा, सोविक चोधरी, सनाया गुप्ता, रिंकी सिंह, पप्पू खान, एचआरपी बाबू, चंचल त्रिपाठी और सतीश यादव प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म अक्षरा के संगीतकार ओम झा और गीतकार प्यारे लाल यादव 'कवि जी', सभा वर्मा, फनिंदर राव एवं राकेश निराला हैं। छायाकार जगविंदर सिंह हुंदल (जगगी पाज्जी), क्रिएटिव डायरेक्टर कन्हैया एस.विष्णुकर्मा और वीएफएक्स फरहान जावा हैं। इंपी राजेश सिरसात एवं अखिलेश राय हैं। स्पेशल थैंक्स महेश उपाध्याय, कला राम बाबू ठाकुर, कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी और एक्शन प्रदीप खड्का का है।



जीतो साउथ लेडीज विंग की 'अंतरयात्रा' कार्यक्रम में हुई सकारात्मक चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज विंग के तत्वावधान में सेंटर फॉर एक्सिलेंस के तहत 'अंतरयात्रा' कार्यक्रम का आयोजन सीएमएस बिजनेस स्कूल में किया गया। जैन यूनिवर्सिटी के विशाल चैनराज वेन्सू प्रायोजक थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य, महिलाओं को सामाजिक चिंता और रोजमर्रा के तनाव को दूर करने के लिए उपचार और जादुई मंत्रों से जागरूक करना था।

चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हम सभी इस दुनिया में आते हैं और यहाँ अपनी पहचान बनाते हैं और फिर यहाँ से खाली हाथ ही जाते हैं, तो फिर इतना तनाव नहीं लेना चाहिए। जीवन तो आराम और सुख से जीना चाहिए। मुख्य सचिव निधि पालरेचा सीएमएस बिजनेस स्कूल के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि जीवन शैली में हमें अपने आत्मसंतुलन को बनाए रखना जरूरी है। मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। सह-रोजमर्रा के तनाव को दूर करने के लिए उपचार और जादुई मंत्रों से जागरूक करना था।

बजाज का परिचय दिया। मुख्य वक्ता डॉ. शीला बजाज ने अपनी बातों से प्रतिभागियों को आत्मसंबंधी, देखभाल और मिड-एज क्राइसिस पर जोड़ते हुए बताया कि जब आप खुद को प्राथमिकता देते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन एक धीमी प्रक्रिया है, अपने आप से सच बोलना, अपने अंदर के बच्चे को आवाज देना है और जीवित रहना है, समय के साथ खुद को अपग्रेड करना, मानसिक स्वास्थ्य वास्तविक है, अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों का संतुलन बनाए रखना है, वेलनेस कोच और मुख्य वक्ता डॉ. शीला

चाहिए। जीतो बंगलूरु साउथ के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी, मुख्य सचिव नितिन लुनिया और लेडीज विंग के संयोजक प्रवीण सोफाडिया ने शुभकामनाएँ दीं। पूर्व अध्यक्ष और श्रमण आरोग्यम की संयोजिका सुनीता गांधी और हाउसहोल्ड बिजनेस मॉडल की संयोजिका बिंदु रायसोनी भी उपस्थित थे। कोषाध्यक्ष संगीता पारख, संयुक्त सचिव साक्षी नाहर, समिति के सदस्य अर्पिता लदानी, अस्मिता चौहान, नीतू गुलेच्छा, सोमना सिंसोदिया, तरुणा मेहता, यनीता बच्छावत ने व्यवस्था संपाली। संयोजिका चंद्रा जैन ने धन्यवाद दिया।

पैलेस ग्राउंड पर अच्छे रेस्पांस के साथ शुरु हुआ दो दिवसीय 'अग्रवाल ट्रेड फेयर'

व्यापार, बिक्री व मनोरंजन के माहौल से सजा है ट्रेड फेयर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। शहर के पैलेस ग्राउंड ग्राउंड कैंसल सभागार में अग्रवाल समाज कर्नाटक द्वारा दो दिवसीय अग्रवाल मेगा ट्रेड फेयर का शनिवार को भव्यता के साथ शुभारंभ हुआ। मेले के उद्घाटन केन्द्रीय बिक्रीकर जीएसटी के प्रधान मुख्य आयुक्त एवं आबकारी अधिकारी प्रमोदकुमार अग्रवाल, विशेष अतिथि पंचश्री डॉ एच आर. नागेन्द्र गुरुजी व मुख्य सहयोगी गुरुपुनवानी कम्पनी के प्रतिनिधि सहित अध्यक्ष सुभाष बंसल, मंत्री सतीश गोयल आदि ने फीता काटकर व दीप प्रज्वलन कर मेले का उद्घाटन किया। सभी अतिथियों ने उद्घाटन के पश्चात मेले का अवलोकन किया। इस मौके पर शुभारंभ सत्र में जीएसटी के प्रधान मुख्य आयुक्त एवं आबकारी अधिकारी प्रमोदकुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम में शामिल होने पर खुशी जताते हुए कहा कि आज वे यहां अपने

अग्रवाल बंधुओं के बीच उपस्थित होकर बहुत खुश है। उन्होंने कहा कि देश की जीएसटी संग्रह में बढ़ोत्तरी हो रही है जिसमें एक बड़ा हिस्सा अग्रवाल समाज के व्यापारियों का है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समुदाय का आज्ञादी से पहले से ही देश विकास में सहयोग रहा है जो कि आज हमें पूरे देश में साफ दिखाई दे रहा है। पंचश्री डॉ एच आर. नागेन्द्र गुरुजी ने कहा कि अच्छे व्यापार के लिए अच्छा स्वास्थ्य होना जरूरी है। अच्छा स्वास्थ्य व्यक्ति को पूरी ऊर्जा से कार्य करने की शक्ति देता है। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने सभी का स्वागत करते हुए मेले में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों व सहयोगियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि समाज में ट्रेड फेयर के आयोजन से एक अच्छा माहौल है जो कि युवा वर्ग को बहुत आकर्षित कर रहा है। सचिव सतीश गोयल ने ट्रेड फेयर की विस्तार से जानकारी दी और मेले के बारे में बताया। सचिव सतीश

गोयल ने बताया कि इस ट्रेड फेयर में मार्बल ग्रेनाइट, स्टील आयरन, सेनेटरीवेयर, कंप्यूटर, हार्डवेयर, गार्मेंट्स, ज्वेलर्स, कपड़े, प्लास्टिक आदि उत्पादों के तथा बीटूसी के कुल 250 स्टॉल लगाए गए। पहले दिन ट्रेड फेयर में ग्राहकों की अच्छे रेस्पांस देखने को मिला। ग्राहकों के मनोरंजन के लिए डीवीपी ग्रुप के कलाकारों ने संगीत की प्रस्तुति भी दी। इस मौके पर उपाध्यक्ष संजय जालान व ललित गुप्ता, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी, पूर्व अध्यक्ष रतनलाल सिंघल, युवा अध्यक्ष रोहित केडिया, महिला सचिव सुनीति अग्रवाल सहित विपिनराम अग्रवाल, मदनलाल अग्रवाल, चन्द्रप्रकाश रामसिरिया जीतो नार्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया सहित बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के सदस्य उपस्थित थे। अग्रवाल समाज की मुख्य, युवा संघ व महिला मंडल की टीम सहित युवा राघव गोयल, नरेश गुप्ता, करण बिंदल, गोश मित्रल, कुणाल गोयल आदि ने ने ट्रेड फेयर की व्यवस्था संपाली।



किलारी रोड पर राम मंदिर की पहली वर्षगांठ मनाई, किया दीपोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। शहर के किलारी रोड पर किलारी रोड ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा रामलला की प्रतिष्ठा समारोह की पहली वर्षगांठ बहुत ही धूमधाम से मनाई गई। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष गणपत माली ने बताया कि सबसे पहले किलारी रोड पर शोभायात्रा निकाली गई जिसमें लगभग 250 सदस्यों ने भाग लिया। शोभायात्रा के बाद दोपहर में हवन

व पूजा की गई। इस धार्मिक आयोजन में संस्था के अध्यक्ष सज्जनराज कोठारी, सचिव पुनम मेहता के नेतृत्व में हजारों लोगों को अन्नदान किया गया। शाम को संध्या वेला में दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर संस्था की ओर से शांतिलाल सोलंकी, प्रवीणदास, ललित सीरवी, ललित राजपुरोहित, धर्मीचन्द्र, गौरव अग्रवाल, संदीप त्रिवेदी, जयंतिलाल खंडेलवाल आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया।



तेरापंथ किशोरों ने सीखी वक्तव्य कला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। तेरापंथ किशोर मण्डल हनुमंतनगर द्वारा वक्तव्य कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'माइक ड्रॉप' कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के साक्षिधर्म में तेरापंथ भवन हनुमंतनगर में किया गया। तेरापंथ उपाध्यक्ष राहुल मेहता ने सभी का स्वागत किया। क्षेत्रीय प्रभारी

दीक्षित सोलंकी ने किशोर मण्डल का उस्ताहवर्धन करते हुए कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। साध्वीश्री दीक्षाप्रभाजी ने संचालन करते हुए किशोरमण्डल को प्रेरणा दी। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक कविता, शायरी, भाषण, जैन श्लोक आदि की प्रस्तुतियाँ दीं। इस मौके पर कुल 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सभा अध्यक्ष गौतम दक, परिषद परामर्शक

प्रकाश बोल्या, पूर्व अध्यक्ष गौतम खन्वा व पवन बोथरा, परिषद उपाध्यक्ष देवेन्द्र आंचलिया, सहमंत्री नवरतन बोल्या व रश्मि लोडा, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, संगठन मंत्री संदीप बाबेल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। परिषद मंत्री संदीप चौधरी ने आभार व्यक्त किया। किशोर मण्डल संयोजक जिनेश धोका, सहसंयोजक नीप चौधरी एवं किशोरमण्डल की टीम का विशेष श्रम रहा।

उत्साहवर्धन



बंगलूरु के प्रभाकर रेड्डी अभिमानी बळगा द्वारा मनेक्षरम खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट स्पर्धा पीआर कप कार्यक्रम में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत।



जीतो केकेजी जोन की बैठक में विभिन्न योजनाओं पर हुई गहन चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। जीतो के कर्नाटक, केरल एवं गोवा जोन के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी की ब्रेन स्ट्रॉमिंग सत्र का आयोजन किया गया जिसमें जोन के आगामी 2 वर्षों के कार्यों पर चर्चा हुई। इस सत्र में सभी 9 चैप्टर के प्रभारियों, युवा व महिला विंग प्रभारियों तथा विभिन्न योजना संयोजकों ने चैप्टर द्वारा जीतो अपेक्स के दिशा निर्देशों के अनुसार संपादित होने वाले कार्यों की कार्ययोजना पर विचार विमर्श किया। बैठक में जीतो द्वारा जैन समाज तक सीधे पहुंचने वाली

योजनाओं पर गहन चिंतन किया गया। केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना ने स्वागत करते हुए कहा कि सभी को अपेक्स के दिशा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए समर्पित भाव से कार्य करना है। बैठक में मौजूद अपेक्स उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने कहा कि जीतो अब एक अलग मुकाम पर पहुंच चुका है जहां अनेकों दीर्घकालिक जनुपयोगी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ विश्वस्तार पर गतिमान है। उन्होंने कहा कि हमे आगे की ओर देखना है, जैन समाज के महानुभावों को केवल सदस्य के तौर पर ही नहीं जोड़ना है अपितु उनको सक्रिय भी रखना है। साथ ही

उन्होंने कहा कि जीतो का सदस्य बनना खर्चा नहीं है बल्कि भविष्य का निवेश है। बैठक में मौजूद अपेक्स निदेशक सचिव श्रीपाल बच्छावत एवं निदेशक युवा विंग प्रभारी प्रवीण शाह ने जीतो की विभिन्न योजनाओं पर चर्चा करते हुए इनके लाभों के बारे में बताया। जोन महामंत्री दिलीप जैन ने संचालन करते हुए कहा कि चैप्टर की सफलता में ही जोन की सफलता निहित है। जोन के मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि उपाध्यक्ष संतोष पोरवाल, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, सचिव विनोद जैन सहित अन्य चैप्टरों के प्रभारियों व योजना संयोजकों शामिल थे।



प्राचीन भारतीय खाद्य परंपराओं और स्वादों को 'डॉन ली' ने पुनर्जीवित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। शहर के कव्बन पार्क स्थित कर्नाटक टैनिंग एसोसिएशन क्लब में 'डॉन ली' उत्पादों द्वारा 18वीं सदी के भारतीय खाद्य परंपराओं और स्वादों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से लांच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जीतो नार्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने डॉन ली के नए उत्पादों को नए पैकिंग के साथ लांच किया य कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में भारतीय व्यंजनों की समृद्धि और उनके इतिहास को संरक्षित करने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित

बीएमआरसीएल के प्रबंध निदेशक महेश्वर राव ने भी इस नई पहल की सराहना की। डॉन ली उत्पाद की मुख्य कम्पनी खुशी एगो के प्रबंध निदेशक गौतम धाकड ने पीपीटी द्वारा इस आयोजन में 18वीं शताब्दी के प्राचीन भारतीय व्यंजनों को प्रदर्शित किया गया। उन्होंने बताया कि प्राचीन व्यंजनों की खासियत यह थी कि इन्हें पारंपरिक विधियों और मसालों का उपयोग कर तैयार किया गया, जो आज के समय में दुर्लभ हो चुके हैं। उस प्राचीन स्वाद को फिर से पुनर्जीवित करने के लिए उद्देश्य से यह डॉन ली नामक खाद्य उत्पाद बनाए गए हैं। इन नए उत्पाद के गोल्ड पार्टनर 'प्रेसिडेंट्स ग्रूम कॉन्सेप्ट' के जयचंद बाफना ने सभी का स्वागत किया तथा उत्पादों के बारे में बताया।



जीतो ने समाज के लिए आयोजित किया अल्पसंख्यक जागरूकता सत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुबल्ली। जीतो हुबल्ली चैप्टर की पहल के तहत जीतो गदग यूथ विंग ने अल्पसंख्यक योजनाओं पर जैन समुदाय के लिए एक सशक्त जागरूकता सत्र आयोजित किया, जिसमें समुदाय

के 35 सक्रिय सामाजिक सदस्यों ने भाग लिया। सत्र में जैन एपेक्स मंत्री कविता जैन, केएमडीसी गदग के मोहम्मद गौस और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के डीईओ सुनंदा सहित अन्य वक्ताओं ने भाग लिया, जिन्होंने जैतियों के लिए अल्पसंख्यक लाभों और योजनाओं पर जानकारी साझा की।

इस मौके पर युवा अध्यक्ष मोहित कवाड़, युवा महामंत्री शुभम डुमावत, लेडीज सीपी स्वीटी भंसाली, महिला महामंत्री इंदिरा बागमार, गदग सीओ जीतेन्द्र जीरावाला, ऋषभ पालरेचा, तृप्ति कोठारी, विनय बाफना, धृवी संकलेचा, कुणाल जैन, संयम बागमार, जिनल पालरेचा आदि उपस्थित थे।



अमृतसर में 'लोहड़ी' उत्सव से पहले लोग एक दुकान पर पत्तन खरीदते हैं।